मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 130
रविवार, 22 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पीएम मोदी ने आईटीआई के मेधावियों का बढ़ाया हौसला, बोले- यह कभी मत सोचना अकेले हैं, मेरे साथ पूरे करें अपने सपने

लखनऊ, 21 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लखनऊ में युवाओं को कौशल विकास का संदेश देने के साथ उनके अंदर जोश भी भरा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में वाले पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह 2026 में मुख्य अतिथि पीएम मोदी ने हुनरमंदों के योगदान को जमकर सराहा। उन्होंने दस मेधावियों को सम्मानित करने के साथ देश भर से पहुंचे 1200 से अधिक मेधावियों को भारत का भाग्य विधाता भी बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित किया और कहा कि आप लिखकर ले लीजिए वक्त बदल रहा है। कागजी सर्टिफिकेट लेकर, कोट, पैंट टाई वालों से ज्यादा हुनर वालों की मांग बढ़ने वाली है। उन्होंने कई मुस्लिम कंट्रियों का नाम लेकर कहा कि वहां के रायल फैमिली के लोग कहते हैं यह हमारे शानदार शहर पैसे से नहीं, भारत के कारीगरों के हुनर और मेहनत के चमचमाते हैं। देश के युवा से कहता हूं पूरा आसमान है। बड़े सपने देखिए, उसे पूरा करने के लिए ताकत झोंक दीजिए। यह कभी मत सोचना अकले हैं, जब लगे समझ लेना मैं आपके साथ हूं। सपने पूरे कीजिए। समाज की शक्ति बनाने में समर्पित कीजिए।



उन्होंने कहा कि दुनिया में जितनी सरकार समझौते कर रही हैं। उनसे 90 हजार, एक लाख, डेढ़ लाख हुनरमंद लोगों की मांग की जा रही है। इसी कारण हमें विश्वविद्यालय वालों की नहीं, हुनर वालों की मांग है। 20 वर्ष के बाद विकसित भारत, मूवी की बाद नहीं कर रहा है। 21वीं सदी का भारत कौशल को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता है। श्रमेयेव जयते के भाव से काम काम किया।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले दीक्षांत समारोह में विद्यार्थी बड़े-बड़े कोट, टाई और टोप पहनकर आते थे। हमने कहा कि आईटीआई के हुनर मंद बच्चों का भी दीक्षांत समारोह होना चाहि। आधुनिक भारत में एआई को लेकर न जाने क्या क्या कहा जा रहा है। यह समझ लिए जिसके पास स्किल है, उसका रोजगार कोई नहीं छीन सकता है। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान देखा है कि जिनकी सेवा से उनका जीवन चलता था, वह मौत के डर से वापस गांव चले गये।

तब उन्हें पता हुआ कि स्किल के बगैर काम नहीं चल सकता है। आप जब हुनर सीखते हैं तो लोगों का जीवन आसान करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान पहले मोबाइल फोन आयात करता था। आज बेटे-बेटियां मोबाइल बना रहे हैं। आईटीआई को इसलिए महत्व दिया जा रहा है। 2014 के बाद हमारी सरकार ने पांच हजार नई आईटीआई बनाई है। यहां पढ़ने वालों की संख्या पांच लाख बढ़ी है। लड़कियों की संख्या ढाई गुना से अधिक हो गयी है। यहां संसाधन भी चुनौती थे। अब तो 30 से अधिक न्यू ट्रेड पढ़ाए जा रहे हैं। साइबर सिक्योरिटी, ग्रीन एनर्जी समेत अन्य प्रोग्राम भविष्य की जरूरत के लिए डिजाइन किये गये हैं। कितना बड़ा अस्पताल है, अगर उसके चलाने वाला अच्छा न हो तो इलाज नहीं हो सकता। आपके सामर्थ को सम्मान देने के लिए निकला है।

चक्रवात अकवान : रांची में खराब मौसम से 20 उड़ानें रद्द, चार के बदले रूट

रांची, 21 नवम्बर। चक्रवात अकवान के प्रभाव से खराब मौसम के कारण शनिवार को रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर कम से कम 20 उड़ानें रद्द कर दी गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। चक्रवात के प्रभाव से झारखंड में शुक्रवार से ही बादल छाए हुए हैं और हल्की बारिश हो रही है।

विमान के सुरक्षित उतरने और उड़ान भरने के लिए 1,200 से 1,500 मीटर तक की दृश्यता आवश्यक होती है। रांची हवाई अड्डे पर अपराह्न एक बजे तक दृश्यता करीब 1,000 मीटर थी। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण कुल 20 निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिनमें एयर इंडिया एक्सप्रेस की छह उड़ानें भी शामिल हैं। इसके अलावा, खराब मौसम के कारण चार उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक



अधिकारी ने बताया कि रविवार से बादल छंटने के साथ राज्य में मौसम में सुधार होने का अनुमान है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बाबूराज को बताया, हमें उम्मीद है कि रविवार से मौसम में सुधार होगा, हालांकि सुबह के समय घना कोहरा छाया रह सकता है। 23 नवंबर से आसमान साफ रहने और धूप निकलने का अनुमान है। शनिवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा सदर में सबसे अधिक 34.4 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई।पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला में 32.6 मिलीमीटर, सिमडेगा में 28.2 मिलीमीटर, जमशेदपुर में 22.2 मिलीमीटर और रांची में 12.4 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम बुलेटिन के अनुसार, राज्य में अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है।

बुलेटिन में बताया गया कि अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने का अनुमान है।

चीन-पाकिस्तान की बढ़ती दोस्ती से भारत पर 'टू-फ्रंट वॉर' का खतरा, अमेरिकी रिपोर्ट में बड़ा दावा

वाशिंगटन, 21 नवम्बर। आतंकवाद का पनाहगाह पाकिस्तान और अपने नापाक चाल के लिए विश्वभर में विख्यात चीन के बीच बढ़ती नजदीकियां इन दिनों खूब चर्चा में है। अच्छा अब ये नजदीकियां भारत के लिए कैसे खतरा पैदा कर सकती है? इसके लिए अमेरिका की एक संसदीय समिति ने रिपोर्ट जारी की है। पूरे मामले को ऐसे समझा जा सकता है कि अमेरिका की एक संसदीय समिति ने भारत की सुरक्षा को लेकर एक बेहद अहम और चेतावनी भरी रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ती सैन्य साझेदारी भारत के लिए दो मोर्चों पर युद्ध यानी एक ही समय में चीन और पाकिस्तान दोनों से टकराव के खतरे को तेजी से बढ़ा रही है। रिपोर्ट के बाद अमेरिकी आयोग ने अपनी सरकार को सलाह दी है कि इस खतरे से निपटने के लिए अमेरिका को भारत के साथ मिलकर काम करना चाहिए और खासतौर पर हिंद महासागर में सैन्य सहयोग को और मजबूत करना चाहिए। बता दें कि रिपोर्ट में मई 2025 में हुए भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव का खास जिक्र किया गया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। अमेरिकी आयोग के मुताबिक, इस संकट ने दिखा दिया कि चीन सीधे युद्ध में उतरे बिना भी पाकिस्तान की बड़ी सैन्य और रणनीतिक मदद कर सकता है। इस बात को आधार बनाया जाए तो भविष्य में अगर भारत और पाकिस्तान के बीच कोई टकराव होता है, तो चीन का यह समर्थन भारत की सैन्य तैयारियों और रणनीति के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी कर सकता है। रिपोर्ट कहती है कि चीन, भारत के बढ़ते कद को अपने लिए एक बड़ी चुनौती मानता है। इसलिए वह भारत को सीमित रखने के लिए सैन्य, आर्थिक और समुद्री दबाव बना रहा है। अमेरिका का मानना है कि दुनिया में भारत ही उन गिने-चुने देशों में से है, जिसके पास अपनी विशाल आबादी, अर्थव्यवस्था, परमाणु शक्ति और भौगोलिक स्थिति के दम पर चीन के बराबर शक्ति संतुलन बनाने की ताकत है। दूसरी ओर भारत की 2,100 मील लंबी सीमा चीन से लगती है। इसके अलावा, हिंद महासागर के जिन समुद्री रास्तों से चीन का सबसे ज्यादा व्यापार और ऊर्जा गुजरती है, भारत ठीक उन्हीं रास्तों के मुहाने पर बैठा है।

लद्दाख के साथ उपनिवेश जैसा व्यवहार किया जा रहा, सोनम वांगचुक ने केंद्र पर लगाए बड़े आरोप

लद्दाख, 21 नवम्बर। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शनिवार को लद्दाख प्रशासन पर क्षेत्र के साथ उपनिवेश जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया और कहा कि यहां के लोगों की सहमति के बिना उन पर फैसले थोपे जा रहे हैं। वांगचुक ने चेतावनी दी कि रणनीतिक रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को लगातार अलग-थलग करने के गंभीर परिणाम राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ सकते हैं। लेह में जारी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद वांगचुक ने लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के अध्यक्ष चेरिंग दोर्जे लकरुक के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लद्दाख के लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है और चुनावों के समय और संचालन



को लेकर व्यापक विरोध के बावजूद प्रशासन इन्हें कराने पर आगे बढ़ रहा है।वांगचुक ने कहा, "लद्दाख प्रभावी रूप से एक उपनिवेश बन गया है, जहां स्थानीय लोगों की आवाज का कोई महत्व नहीं है और उन पर बस फैसले थोपे जा रहे हैं। ऐसी व्यवस्था आखिर कैसे जारी रह सकती है?" वांगचुक एलएबी के सदस्य भी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुए कहा कि लद्दाख के लोगों के साथ किए जा रहे व्यवहार को राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिये से देखा जाना चाहिए, न कि इसे केवल उपराज्यपाल प्रशासन या केंद्रीय गृह मंत्रालय पर छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा, "लद्दाख पिछले युद्धों में देश के साथ खड़ा रहा है और उसे आगे भी ऐसा ही करना चाहिए। इतने निष्ठावान और देशभक्त लोगों के साथ बार-बार ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है?" रणनीतिक रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को अलग-थलग करने के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने कहा कि उन पर फैसले थोपने के नतीजे भले ही शांतिकाल में तुरंत दिखाई न दें, लेकिन संघर्ष के समय इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, "शांतिकाल में वे शायद कुछ खास न कर पाएं, लेकिन युद्ध के समय मतभेद हो सकते हैं।" उन्होंने केंद्र से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि लद्दाख के लोगों को भी देश के अन्य हिस्सों के नागरिकों के समान लोकतांत्रिक अधिकार मिलें। वांगचुक ने स्थानीय सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की शिकायतों की जांच करने तथा प्रशासन के कामकाज के बारे में उनके विचार जानने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत एक जांच आयोग गठित करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि लद्दाख के कर्मचारी भी फैसले लेने के तरीके से काफी नाराज हैं। वांगचुक की ये टिप्पणियां लद्दाख की राजनीतिक और संवैधानिक मांगों तथा जारी चुनाव प्रक्रिया के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों के बीच आई हैं।

वांगचुक ने सर्दियों के दौरान पर्वतीय परिषद के चुनाव कराने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोग चुनाव के विरोध में नहीं हैं, बल्कि चाहते हैं कि इन्हें ऐसे मौसम में कराया जाए, जिसमें अधिक से अधिक लोग मतदान में हिस्सा ले सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि लद्दाख से बाहर उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों समेत कई निवासी चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

ममता तृणमूल का कांग्रेस से गठबंधन का संकेत, अधीर रंजन चौधरी को किया दरकिनार

कोलकाता। ममता तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद कल्याण बनर्जी ने बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को दरकिनार कर कांग्रेस से गठबंधन का संकेत दिया है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन होगा, लेकिन इसमें अधीर चौधरी की कोई भूमिका नहीं होगी। गठबंधन पर निर्णय केंद्रीय स्तर पर होगा। स्थानीय स्तर पर इसपर कोई बातचीत नहीं होगी। कल्याण मुर्शिदाबाद जिले के बहरमपुर में ममता तृणमूल की ओर से आयोजित विजयादशमी व दीपावली मिलन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे, हालांकि कुछ कारणों से कार्यक्रम नहीं हो सका। उनके बयान पर मुर्शिदाबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष अब्दुल्लाहिल काफी ने पलटवार करते हुए कहा कि जिले में अधीर ही अंतिम निर्णय लेंगे और उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा



जाएगा। कल्याण ने तृणमूल के विरोधी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनकी लोकतांत्रिक पार्टी कहीं दिखाई नहीं दे रही है। तृणमूल एक ही है और वह अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस है। कल्याण ने अपनी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस को चेताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के कहने पर चलने वाले पुलिसकर्मियों की नौकरी नहीं बचेगी। जरूरत पड़ने पर वे उन्हें सुप्रीम कोर्ट खींचकर ले जाएंगे।

चंदेल में जहरीली शराब से 15 की मौत, 150 मरीज शिजा अस्पताल में भर्ती, जांच के आदेश

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को मणिपुर में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह त्रासदी कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की लापरवाही का नतीजा है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने लोगों की मौत पर दुख जताया, अस्पताल में भर्ती लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को समय रहते मुआवजा देने की मांग की। मणिपुर में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ और मरीजों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। यह

भारत जापान की नई रणनीतिक धूरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा



-ललित गर्ग

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को किसी एक खेमे की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और विकसित भारत के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है। 19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन भारत 2047 की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निमार्ताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार इंडिया फर्स्ट होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का कम्फर्ट जोन नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल ह्यभारत के लिए दुनिया नहीं, बल्कि दुनिया के लिए भारत बनाने का चरण है।

प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है।

विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत-जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत-जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे ह्यइंडिया-जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्सह्न के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए। भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत 2047 केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है-सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए, उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो, युवा नवाचार का नेतृत्व करें, किसान उत्पादकता बढ़ाएं, वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें और प्रत्येक नागरिक अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठता तथा ईमानदारी का उदाहरण बने। टोक्यो की 2+2 बैठक हमें भारत की रणनीतिक शक्ति का संदेश देती है और फिक्की का मंच भारत की आर्थिक शक्ति का। इन दोनों को यदि भारतीय प्रतिभा, उद्योग, संस्कृति और नागरिक कर्तव्य से जोड़ दिया जाए तो भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकती है।आज भारत को विश्वगुरु बनाने की चर्चा केवल अतीत के गौरव की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्वगुरु भारत वह होगा जो सुरक्षित भी हो, समृद्ध भी। आत्मनिर्भर भी हो, विश्व से जुड़ा भी। तकनीकी रूप से अग्रणी भी हो और मानवीय मूल्यों में भी श्रेष्ठ हो। जापान के साथ बढ़ती साझेदारी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब प्रश्न यह नहीं है कि दुनिया भारत को कितना महत्व देती है, प्रश्न यह है कि भारत स्वयं को कितना सक्षम, विश्वसनीय और उत्कृष्ट बनाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का मूल संदेश है-भारत की प्रतिष्ठा केवल विदेश मंत्रालय या सरकार नहीं बनाएगी, भारत के 140 करोड़ नागरिक मिलकर बनाएंगे। उद्योगपति अपने निवेश से, वैज्ञानिक अपने अनुसंधान से, युवा अपनी प्रतिभा से, किसान अपनी उत्पादकता से और सामान्य नागरिक अपने आचरण से भारत को सशक्त करेगा। तभी विकसित भारत आर्थिक लक्ष्य से आगे बढ़कर राष्ट्रीय चरित्र बनेगा और भारत की विश्वगुरु बनने की आकांक्षा वास्तविकता में बदल सकेगी।

गांव की चौपाल से सत्ता को चेतावनी



अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी नब्ज राजधानी के वातानुकूलित गलियारों में नहीं, बल्कि गांव की चौपालों और खेतों की मेड़ों पर धड़कती है। राजस्थान के हालिया पंचायती राज चुनावों के परिणामों ने एक बार फिर इस सत्य को पूरी कठोरता के साथ रेखांकित किया है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा २० नवंबर २०२६ को ३७ जिलों में हुई मतगणना के जो सटीक आंकड़े सामने आए हैं, वे केवल एक राज्य की चुनावी हार-जीत का लेखा-जोखा नहीं हैं, बल्कि वे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के शासन मॉडल, उसकी प्राथमिकताओं और ग्रामीण समाज से उसके टूटते संवाद पर एक सीधा और तीखा प्रहार हैं। घोषित परिणामों के अनुसार, ३७ जिला परिषदों में से २७ पर विपक्षी कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, जबकि राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा महज ६ जिलों तक सिमटकर रह गई और नागौर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने अपना परचम लहराया। उत्तर भारत के इस महत्वपूर्ण राज्य से उठी यह राजनीतिक चेतावनी दक्षिण भारत के उन राज्यों के लिए भी उतनी ही विचारणीय है, जहां स्थानीय निकायों की स्वायत्तता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था हमेशा से राजनीतिक विमर्श के केंद्र में रही है।

आमतौर पर भारतीय राजनीति में यह धारणा प्रबल रही है कि पंचायत और स्थानीय निकाय के चुनावों में उसी दल का पलड़ा भारी रहता है, जिसकी राज्य में सरकार होती है। इसका सीधा कारण यह माना जाता है कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं के निर्बाध प्रवाह के लिए सत्ता के साथ चलना व्यावहारिक समझते हैं। लेकिन राजस्थान के जनादेश ने सत्ताधारी दल के इस पारंपरिक आत्मविश्वास और 'डबल इंजन' के खोखले दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। पंचायत समिति और जिला परिषद के चुनावों में विपक्ष की यह प्रचंड बढ़त बताती है कि ग्रामीण जनता अब प्रशासनिक तंत्र के दबाव या चमकदार नारों से प्रभावित होने के बजाय अपने जमीनी अनुभवों के आधार पर निर्णय ले रही है। सबसे चौंकाने वाली स्थिति स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह क्षेत्र में देखने को मिली, जहां उनके अपने विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की जीत और गृह जिले भरतपुर में कांग्रेस की बढ़त ने सरकार की साख और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। यह परिणाम कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक के सत्ताधारी दलों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि केवल शीर्ष नेतृत्व के चेहरों और आक्रामक प्रचार तंत्र के भरोसे जमीनी सच्चाइयों को लंबे समय तक ढका नहीं जा सकता।

इस पराजय के सामाजिक और आर्थिक निहितार्थ बेहद गहरे हैं, जो सीधे तौर पर सरकार की नीतिगत विफलताओं की ओर इशारा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में बड़े-बड़े शहरी प्रोजेक्ट्स, कॉरिडोर और बुनियादी ढांचे के आकर्षक दावों के बीच ग्रामीण भारत की बुनियादी चुनौतियां हाशिए पर धकेल दी गई थीं। चुनाव परिणामों के बाद विपक्षी नेतृत्व—राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे—ने मनरेगा के घटते बजट, किसानों की बदहाली, न्यूनतम समर्थन मूल्य की अनिश्चितता, कमरतोड़ महंगाई, बेरोजगारी और गांवों से हो रहे पलायन को इस जनादेश का मुख्य कारण बताते हुए सरकार की नीतियों को कटघरे में खड़ा किया है। वहीं, राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने हार की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए समीक्षा की

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

बात कही है, लेकिन यह औपचारिक स्वीकारोक्ति उस गहरे असंतोष की भरपाई नहीं कर सकती जो गांवों की मिट्टी में पनप रहा है। हालांकि, यहां यह समझना भी जरूरी है कि यह जनादेश विपक्ष की किसी असाधारण सक्रियता से अधिक सत्तारूढ़ दल के प्रति पनपे तीव्र जनआक्रोश का परिणाम है। यदि कांग्रेस इसे अपनी स्थायी वापसी मानने की भूल करती है और ग्रामीण मुद्दों पर जमीनी संघर्ष से दूर रहती है, तो मतदाता उसे भी बख्शने वाले नहीं हैं।

प्रशासनिक मोर्चे पर सरकार की सुस्ती और नौकरशाही पर अत्यधिक निर्भरता ने भी ग्रामीण मतदाताओं को सत्ताधारी दल से दूर धकेलने का काम किया है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद ग्रामीण जनता को उम्मीद थी कि उसकी रोजमर्रा की समस्याओं—जैसे बिजली की अनियमित आपूर्ति, पेयजल संकट, खराब सड़कें और सरकारी दफ्तरों में व्याप्त भ्रष्टाचार—से उसे तत्काल राहत मिलेगी। इसके विपरीत, आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के बीच संवादहीनता की एक मोटी दीवार खड़ी हो गई। जब गांव का एक सामान्य किसान या युवा अपनी समस्या लेकर स्थानीय प्रशासन के पास जाता है और उसकी सुनवाई नहीं होती, तो उसका गुस्सा सीधे तौर पर सत्ताधारी दल के खिलाफ फूटता है। सत्ता के गलियारों में बैठे रणनीतिकार अक्सर इस भ्रम में रहते हैं कि कुछ चुनिंदा लाभार्थी योजनाओं के सहारे वे हर चुनाव की वैतरणी पार कर लेंगे, लेकिन राजस्थान के नतीजों ने यह साबित कर दिया है कि सम्मान, सुनवाई और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में केवल सरकारी घोषणाएं मतदाताओं का विश्वास नहीं जीत सकतीं।

राजस्थान के इन चुनावों का एक अन्य अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों का मजबूत उभार है, जो राष्ट्रीय दलों के एकाधिकार को सीधी चुनौती देता है। चुनावी आंकड़ों पर गौर करें, तो राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी , भारत आदिवासी पार्टी , वाम दलों और सैकड़ों निर्दलीय उम्मीदवारों ने बड़ी संख्या में पंचायत समिति की सीटें जीती हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण भारत में दो-दलीय व्यवस्था के समानांतर स्थानीय अस्मिता और क्षेत्रीय नेतृत्व की आकांक्षा तेजी से मजबूत हो रही है। दक्षिण भारत के राज्यों—जैसे तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश—में क्षेत्रीय दलों के उभार का जो इतिहास रहा है, उसकी स्पष्ट झलक अब उत्तर और पश्चिम भारत के ग्रामीण चुनावों में भी दिखाई देने लगी है। विशेषकर आदिवासी अंचलों में भारत आदिवासी पार्टी की बढ़ती पकड़ इस बात का संकेत है कि पारंपरिक राजनीतिक दलों की उपेक्षा से नाराज वर्ग अब अपना स्वतंत्र राजनीतिक मंच तैयार कर रहा है।

लोकतंत्र में स्थानीय स्वशासन की संस्थाएं केवल प्रशासनिक इकाइयां नहीं हैं, बल्कि वे नागरिक सशक्तीकरण की पहली सीढ़ी और जमीनी नेतृत्व की नर्सरी हैं। इस संदर्भ में दक्षिण भारत के केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों का उदाहरण प्रासंगिक है, जहां विकेंद्रीकृत नियोजन और ग्राम सभाओं की सक्रियता ने स्थानीय निकायों को वास्तविक शक्ति प्रदान की है। इसके विपरीत, उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में संवैधानिक दर्जा मिलने के तीन दशक बाद भी सरकारें पंचायतों को पर्याप्त वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता देने से कतराती रही हैं। नौकरशाही के बढ़ते हस्तक्षेप और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी ने ग्रामीण व्यवस्था को पंगु बनाने का काम किया है। राजस्थान के ग्रामीण मतदाताओं ने अपने वोट के जरिए यह कड़ा संदेश दिया है कि वे अपनी पंचायतों को केवल सरकारी योजनाओं के कागजी क्रियान्वयन की एजेंसी नहीं, बल्कि अपनी समस्याओं के समाधान का सशक्त मंच बनाना चाहते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के एक वर्ग का मानना है कि राजस्थान के इन नतीजों को २०२८ में होने वाले विधानसभा चुनावों का 'सेमीफाइनल' या वर्तमान सरकार के कार्यकाल का लिटमस टेस्ट माना जाना चाहिए। हालांकि, भारतीय राजनीति में स्थानीय चुनावों और विधानसभा या लोकसभा चुनावों के मतदान व्यवहार में अंतर देखा जाता है, क्योंकि बड़े चुनावों में व्यापक राष्ट्रीय मुद्दे और केंद्रीय नेतृत्व हावी रहते हैं। फिर भी, इस कड़वे सच को नकारा नहीं जा सकता कि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत गांवों में ही निहित होती है। यदि जमीनी स्तर पर संगठन बिखरता है, समर्पित कार्यकताओं में निराशा घर करती है और आम जनता के बीच संवाद पूरी तरह टूट जाता है, तो उसका खामियाजा सत्ताधारी दल को दीर्घकालिक राजनीति में भुगतना ही पड़ता है।

दरअसल राजस्थान पंचायत चुनाव का यह जनादेश सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी और आत्ममंथन का अनिवार्य अवसर है। यह भविष्य की राजनीति के लिए तीन स्पष्ट संकेत देता है—पहला, सत्ता के अहंकार और केवल शीर्ष नेतृत्व के करिश्मे के भरोसे जमीनी चुनाव नहीं जीते जा सकते; दूसरा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि संकट और महंगाई की अनदेखी किसी भी सरकार के पतन की पटकथा लिख सकती है; और तीसरा, भारतीय मतदाता अब इतना परिपक्व हो चुका है कि वह हर स्तर के चुनाव में अलग-अलग कसौटियों पर सरकार के कामकाज की कठोर परीक्षा लेता है। उत्तर से दक्षिण तक भारत के लोकतंत्र की असली ताकत यही जागरूकता है। जो राजनीतिक दल गांव की इस बदलती भाषा और जमीनी हकीकत को समझकर अपनी नीतियों में बुनियादी सुधार नहीं करेंगे, भविष्य की राजनीति उन्हें हाशिए पर धकेलने में तनिक भी देर नहीं करेगी।

जब देवताओं ने चुनी काशी, कार्तिक पूर्णिमा बनी दीपोत्सव की साक्षी

काशी में देव दीपावली महज दीपों का उत्सव नहीं, बल्कि आस्था, आध्यात्मिक चेतना, पौराणिक स्मृतियों और लोकमंगल का ऐसा महापर्व है, जिसमें धरती और देवलोक के बीच मानो प्रकाश का सेतु बन जाता है। कार्तिक पूर्णिमा की संध्या को जब गंगा के अर्द्धचंद्राकार तट पर लाखों दीप एक साथ प्रज्वलित होते हैं, तब उनकी लौ केवल घाटों को रोशन नहीं करती, बल्कि सनातन संस्कृति की उस विराट परंपरा को भी आलोकित करती है, जिसमें प्रकाश को ज्ञान, पवित्रता और जीवन की सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि त्रिपुरासुर का वध कर भगवान शिव ने देवताओं को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। इस विजय से प्रसन्न होकर देवताओं ने काशी में दीप जलाकर भगवान शिव की आराधना की थी। तभी से कार्तिक पूर्णिमा की यह रात्रि देव दीपावली के रूप में प्रतिष्ठित हुई। इस बार 24 नवंबर को मनाई जाने वाली देव दीपावली पर स्नान, दान, जप, तप और दीपदान का विशेष पुण्यफल बताया गया है।

त्रिपुरासुर वध से जुड़ी है देव दीपावली की कथा

देव दीपावली का पौराणिक आधार भगवान शिव के त्रिपुरांतक स्वरूप से जुड़ा है। शिवपुराण सहित विभिन्न धार्मिक आख्यानों में त्रिपुरासुर की कथा का उल्लेख मिलता है। मान्यता के अनुसार तारकासुर के तीन पुत्र तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युनमाली ने कठोर तपस्या कर ब्रह्मा से वरदान प्राप्त किया था। वरदान के प्रभाव से उन्होंने सोने, चांदी और लोहे के तीन विशाल नगर बसाए, जिन्हें त्रिपुर कहा गया। शक्ति और सामर्थ्य के मद में चूर होकर तीनों असुर देवताओं तथा ऋषि-मुनियों को प्रताड़ित करने लगे। उनके अत्याचारों से त्रस्त देवताओं ने भगवान विष्णु की शरण ली और अंततः भगवान शिव से रक्षा की प्रार्थना की। देवताओं की विनती स्वीकार कर भगवान शिव ने एक ही बाण से तीनों पुरों का विनाश कर दिया। इसी विजय के कारण वे त्रिपुरांतक कहलाए। पौराणिक मान्यता है कि असुरों के संहार और धर्म की पुनर्स्थापना से प्रसन्न देवताओं ने भगवान शिव के सम्मान में दीपोत्सव मनाया। इसी स्मृति में कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली कहा जाता है। इस दृष्टि से यह पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि अधर्म पर धर्म, अंधकार पर प्रकाश और अहंकार पर सदाचार की विजय का भी प्रतीक है। सनातन परंपरा में दीपदान को केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि जीवन में शुभता और ज्ञान का प्रकाश आमंत्रित करने का माध्यम माना गया है। कार्तिक मास में मंदिरों, देवस्थानों, तुलसी चौरे, पीपल वृक्ष, चौराहों और पवित्र नदियों के किनारे दीप प्रज्वलित करने की परंपरा सदियों पुरानी है। मान्यता है कि भगवान विष्णु के समक्ष घी का दीप जलाने से उनकी कृपा प्राप्त होती है, जबकि शिवालय में दीपमाला अर्पित करना विशेष पुण्यकारी है। पद्मपुराण में मंदिरों और नदी तटों पर दीपदान का महत्व बताया गया है। वहीं ब्रह्मवैवर्त पुराण में कार्तिक मास में भगवान श्रीहरि के समक्ष घी का दीप अर्पित करने की महिमा का वर्णन मिलता है। धार्मिक विश्वास है कि दीपदान से धन, ज्ञान, यश और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसे पितरों की सद्गति और दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि का माध्यम भी माना जाता है। यम के भय तथा अकाल मृत्यु की आशंका से मुक्ति की कामना के साथ भी दीपदान किया जाता है। इसी कारण कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा में दीप प्रवाहित करने के साथ घरों और मंदिरों में भी दीप प्रज्वलित किए जाते हैं। कार्तिक पूर्णिमा की संध्या को घरों के मुख्य द्वार, तुलसी चौरा, मंदिर, पीपल के वृक्ष और सार्वजनिक देवस्थानों पर दीप जलाने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि तुलसी के समीप दीप प्रज्वलित करने से घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता का वास होता है। सुबह मंदिरों की सफाई, देवालय में झाड़ू लगाने और भगवान का पूजन करने को भी पुण्यकारी कर्म माना गया है। कार्तिक मास में तुलसी की सेवा और संरक्षण को भगवान विष्णु की आराधना के समान महत्व दिया गया है। इस दिन दूध, फल, अन्न, वस्त्र और धन का दान भी किया जाता है। भगवान कार्तिकेय, मां लक्ष्मी, गणेश और भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में गोबर से बने दीपों के इस्तेमाल की परंपरा पर्यावरण और लोकजीवन से भी जुड़ी है। गोबर के दीप पानी में गलकर जलीय जीवों के लिए भोजन का माध्यम बन सकते हैं। साथ ही इनके निर्माण और बिक्री से स्वयं सहायता समूहों तथा ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिलता है। इस तरह धार्मिक परंपरा लोककल्याण और आजीविका से भी जुड़ती है।



-सुरेश गांधी

देव दीपावली का पौराणिक आधार भगवान शिव के त्रिपुरांतक स्वरूप से जुड़ा है। शिवपुराण सहित विभिन्न धार्मिक आख्यानों में त्रिपुरासुर की कथा का उल्लेख मिलता है। मान्यता के अनुसार तारकासुर के तीन पुत्र तारकाक्ष, कमलाक्ष और विद्युनमाली ने कठोर तपस्या कर ब्रह्मा से वरदान प्राप्त किया था। वरदान के प्रभाव से उन्होंने सोने, चांदी और लोहे के तीन विशाल नगर बसाए, जिन्हें त्रिपुर कहा गया। शक्ति और सामर्थ्य के मद में चूर होकर तीनों असुर देवताओं तथा ऋषि-मुनियों को प्रताड़ित करने लगे। उनके अत्याचारों से त्रस्त देवताओं ने भगवान विष्णु की शरण ली और अंततः भगवान शिव से रक्षा की प्रार्थना की।

काशी को देवताओं की दीपावली के लिए चुनने के पीछे केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि इसकी गहरी आध्यात्मिक मान्यता जुड़ी है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का संहार कर देवताओं को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी। इस विजय से आनंदित देवताओं ने भगवान शिव की प्रिय नगरी काशी में गंगा तट पर दीप जलाकर उत्सव मनाया। इसी परंपरा ने देव दीपावली का स्वरूप लिया। काशी को इस उत्सव के लिए विशिष्ट बनाने वाली सबसे बड़ी वजह इसकी पहचान है। इसे भगवान शिव का निवास और अविमुक्त क्षेत्र माना गया है—ऐसी पुण्यभूमि, जिसे शिव कभी नहीं छोड़ते। यहां उत्तरवाहिनी गंगा की पावन धारा, बाबा विश्वनाथ का ज्योतिर्लिंग और मोक्ष की सनातन मान्यता एक साथ जुड़ती हैं। धार्मिक विश्वास है कि काशी में किया गया स्नान, दान और दीपदान विशेष पुण्यफल प्रदान करता है। इसीलिए यहां दीपदान केवल दीप जलाने की रस्म नहीं, बल्कि देवताओं के प्रति कृतज्ञता, शिव के प्रति समर्पण और जीवन से अंधकार मिटाने का आध्यात्मिक संकल्प है। काशी के घाटों पर लाखों दीप इसी आस्था को साकार करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा पर दीपदान का विधान केवल उत्सव नहीं, अंधकार पर प्रकाश और अहंकार पर आस्था की विजय का प्रतीक है

काशी के देवदीपावली का वैशिष्ट्य

इसके घाटों में बसता है। मान्यता है कि काशी के 84 घाट 84 लाख योनियों के प्रतीक हैं। उत्तरवाहिनी गंगा के किनारे फैली घाटों की श्रृंखला काशी की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत दस्तावेज है। यहां के घाट केवल नदी तक पहुंचने की सीढ़ियां नहीं, बल्कि जन्म से मृत्यु तक के संस्कारों, साधना, ज्ञान, भक्ति और लोकजीवन के साक्षी रहे हैं। लोक परंपरा के अनुसार, देव दीपावली मनाने की शुरूआत मुख्य रूप से पंचगंगा घाट से हुई थी। कालांतर में इसका विस्तार अन्य घाटों तक हुआ और 1989 से सभी प्रमुख घाटों पर सामूहिक दीपोत्सव की परंपरा ने व्यापक स्वरूप ग्रहण किया। बीते तीन दशकों में यह आयोजन स्थानीय धार्मिक परंपरा से निकलकर अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आकर्षण बन गया। आज दशाश्वमेध से लेकर अस्सी और आदि केशव तक गंगा के दोनों तटों पर दीपों की लंबी श्रृंखलाएं काशी की पहचान बन चुकी हैं। गंगा के उस पार रेती पर भी दीप प्रज्वलित किए जाते हैं। इस दिन सिंधिया, भोसले, राम, पंचगंगा, ललिता, मीर, त्रिपुरा भैरवी, मानमंदिर, दशाश्वमेध, केदार, शिवाला, चेतसिंह, तुलसी और अस्सी सहित सभी प्रमुख घाट दीपों से सज उठते हैं। घाटों पर दीप सजाने की होड़ भी इस उत्सव को विशेष रंग देती है। कहीं दीपों से कलात्मक आकृतियां उकेरी जाती हैं तो कहीं धार्मिक प्रतीकों और सांस्कृतिक संदेशों के माध्यम से काशी की विरासत को अभिव्यक्त किया जाता है।

देव दीपावली के उल्लास के बीच काशी के दो महाश्मशान मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट जीवन का सबसे गहरा दर्शन भी कराते हैं। एक ओर असंख्य दीप जीवन की ऊर्जा, उत्साह और उल्लास का संदेश देते हैं तो दूसरी ओर अनवरत प्रज्वलित चिताएं मनुष्य को मृत्यु के शाश्वत सत्य से परिचित कराती हैं। काशी का यही विरोधाभास उसे विशिष्ट बनाता है। यहां जीवन का उत्सव और मृत्यु का बोध एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि अस्तित्व के दो अनिवार्य पक्ष हैं। देव दीपावली के उल्लास के बीच काशी के दो महाश्मशान मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट जीवन का सबसे गहरा दर्शन भी कराते हैं। एक ओर असंख्य दीप जीवन की ऊर्जा, उत्साह और उल्लास का संदेश देते हैं तो दूसरी ओर अनवरत प्रज्वलित चिताएं मनुष्य को मृत्यु के शाश्वत सत्य से परिचित कराती हैं। काशी का यही विरोधाभास उसे विशिष्ट बनाता है। यहां जीवन का उत्सव और मृत्यु का बोध एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि अस्तित्व के दो अनिवार्य पक्ष हैं। मणिकर्णिका घाट से जुड़ी पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु ने यहां अपने सुदर्शन चक्र से एक कुंड बनाया था। भगवान शिव के आगमन के समय मां पार्वती के कान की मणि उसी कुंड में गिर गई थी। इसी से इस स्थान का नाम मणिकर्णिका पड़ा। दूसरी ओर हरिश्चंद्र घाट सत्य और त्याग की कथा का स्मरण कराता है। इन दोनों महाश्मशानों के बीच जगमगाते दीप मानो मनुष्य को यह संदेश देते हैं कि जीवन क्षणभंगुर है, इसलिए उसे ज्ञान, करुणा, सेवा और सद्कर्मों से आलोकित करना ही वास्तविक साधना है।

राजस्थान में बीजेपी के लिए बड़ी चुनौतियों का वक्त!



- निरंजन परिहार

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और बीजेपी अध्यक्ष मदन राठौड़, दोनों भले और भोले लगते हैं। न धमाकेदार उपस्थिति, न राजनीतिक प्रभावशीलता और न ही पद के प्रभाव का आकर्

भिवंडी में ग्रील काटकर घर में घुसकर चोरों ने उड़ाए 10 .56 लाख के जेवर

भिवंडी। भिवंडी शहर के समीप खोणी ग्रामपंचायत क्षेत्र के काटई बाग में चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। घर में परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे, तभी चोरों ने गैलरी की लोहे की ग्रिल काटकर घर में प्रवेश किया और करीब 10 लाख 56 हजार 400 रुपये कीमत के सोने के आभूषण चोरी कर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजेश तुकाराम गायकर अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब 3 से 6 बजे के बीच चोरों ने पहली मंजिल की गैलरी की लोहे की ग्रिल काटकर कटावनी की मदद से दरवाजा खोलकर घर में प्रवेश किया। इसके बाद चोरों ने परिवार के सभी सदस्यों के बेडरूम के दरवाजों की बाहर से कुंडी लगा दी और अलमारी में रखे करीब 26 तोले सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। घटना की शिकायत पर निजामपुर पुलिस थाने में चोरी का मामला दर्ज किया गया है। घर में परिवार के सदस्य मौजूद होने के बावजूद चोरों द्वारा इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिए जाने से क्षेत्र के नागरिकों में भय का माहौल है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों की तलाश में जुटी है। मामले की तहकीकात वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विश्वास डगले कर रहे हैं।

हृदय और पैरों की धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज से पीड़ित 42 वर्षीय व्यक्ति की मणिपाल हॉस्पिटल, सॉल्ट लेक में जटिल एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई

मुंबई। कोलकाता के 42 वर्षीय निवासी गौरव मेहता (बदला हुआ नाम) को शारीरिक गतिविधि के दौरान सांस लेने में तकलीफ और चलते समय पिंडलियों की मांसपेशियों में तेज दर्द की शिकायत थी। जांच में पता चला कि उनके हृदय की धमनियों के साथ-साथ दोनों पैरों की धमनियों में भी गंभीर ब्लॉकेज थे। मणिपाल हॉस्पिटल, सॉल्ट लेक के वरिष्ठ इंटरवेंशनल कंसल्टेंट, कार्डियोलॉजी, डॉ. प्रो. पार्थ सारथी बनर्जी ने स्टेंट और ड्रग-एल्यूटिंग बैलून की मदद से जटिल एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की, जिससे धमनियों में सामान्य रक्त प्रवाह बहाल हो गया। इस प्रक्रिया में तीन घंटे से अधिक का समय लगा।श्री मेहता में हृदय रोग के कई जोखिम कारक मौजूद थे, जिनमें उच्च रक्तचाप, धूम्रपान और अधिक वजन शामिल थे। उनके हृदय की रक्त पंप करने की क्षमता लगभग 40 प्रतिशत थी, जबकि ईसीजी में कोई गंभीर बदलाव नहीं दिखाई दिया। हालांकि, शारीरिक जांच के दौरान दोनों पैरों में नाड़ी बहुत कमजोर पाई गई, जिससे गंभीर पेरिफेरल आर्टेरियल डिजीज (ढअऊ) की आशंका हुई। उनके लक्षणों और जांच के निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए हृदय को रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियों और पैरों को रक्त पहुंचाने वाली धमनियों की स्थिति का आकलन करने के लिए एंजियोग्राफी करने का निर्णय लिया गया।

एंजियोग्राफी में धमनियों में व्यापक बीमारी का पता चला। हृदय की बाईं एंटीरियर डिसेंडिंग कोरोनरी धमनी के एक लंबे हिस्से में लगभग 90 प्रतिशत ब्लॉकेज था, जबकि दाईं कोरोनरी धमनी पूरी तरह से बंद थी। आगे की जांच में किडनी को रक्त पहुंचाने वाली रीनल धमनियां सामान्य पाई गईं। हालांकि, दाएं पैर की सुपरफिशियल फेमोरल आर्टरी पूरी तरह से बंद थी, जबकि बाएं पैर की इसी धमनी में भी गंभीर संकुचन था। डॉ. प्रो. पार्थ सारथी बनर्जी ने कहा, मरीज चलते समय पैरों की मांसपेशियों में दर्द और सीने में असहजता की शिकायत लेकर आए थे। उन्हें धूम्रपान और उच्च रक्तचाप का इतिहास भी था। एंजियोग्राफी में हृदय की एक प्रमुख धमनी, छअऊ में 90 प्रतिशत ब्लॉकेज और दाईं कोरोनरी धमनी में 100 प्रतिशत ब्लॉकेज (क्रॉनिक टोटल ऑक्लूजन यानी CTO) पाया गया। इसके अलावा, दोनों पैरों की सुपरफिशियल फेमोरल आर्टरी में भी गंभीर ब्लॉकेज थे। दाईं ओर धमनी पूरी तरह बंद थी, जबकि बाईं ओर 95 प्रतिशत ब्लॉकेज था। हमने एक ही सत्र में छअऊ धमनी में बैलून डाइलेशन और स्टेंट प्रत्यारोपण किया तथा दाईं SFA में ड्रग-एल्यूटिंग बैलून की मदद से डाइलेशन किया। मरीज की स्थिति अच्छी है और वह धीरे-धीरे स्वस्थ हो रहे हैं।

डॉ. बनर्जी ने आगे कहा, गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज और दोनों पैरों में पेरिफेरल आर्टेरियल डिजीज से पीड़ित इस मरीज का उपचार सावधानीपूर्वक एक ही सत्र में की गई इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं के माध्यम से किया गया। मरीज के रक्त में क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ा हुआ था, इसलिए धमनियों के उपचार के साथ-साथ किडनी की कार्यक्षमता को सुरक्षित रखना भी बेहद महत्वपूर्ण था। मरीज के रक्त में क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ा हुआ होने के कारण, कॉन्ट्रास्ट डाई की मात्रा कम रखने और किडनी की कार्यक्षमता पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव के जोखिम को घटाने के लिए डॉक्टरों ने दोनों पैरों का उपचार एक ही सत्र में नहीं करने का निर्णय लिया। हृदय की धमनियों में उपचार के बाद डॉक्टरों ने दाएं पैर की पूरी तरह बंद धमनी का उपचार किया। सबसे पहले, सावधानीपूर्वक एक गाइडवायर को ब्लॉकेज के पार पहुंचाया गया, जिसके बाद बैलून डाइलेशन किया गया। इसके बाद, लंबे समय से बंद धमनी वाले हिस्से में एक ड्रग-कोटेड, सेल्फ-एक्सपैंडिंग स्टेंट (ELUVIA) लगाया गया। इस प्रक्रिया से दाएं पैर में रक्त प्रवाह सफलतापूर्वक बहाल हो गया। प्रक्रिया के बाद मरीज की स्थिति स्थिर रही और उन्हें आराम महसूस हुआ। वह फिलहाल धीरे-धीरे स्वस्थ हो रहे हैं।

ठाणे में प्रदीप पूर्णेकर हत्याकांड : बेटे ने पूर्व मेयर मीनाक्षी शिंदे को दी नार्को टेस्ट की चुनौती

ठाणे। शिवसेना (उबाठा) के दिवंगत नेता प्रदीप पूर्णेकर के बेटे, राम पूर्णेकर ने पार्टी की पार्षद एवं ठाणे की पूर्व मेयर मीनाक्षी शिंदे और उनके पति को नार्को-एनालिसिस जांच कराने की चुनौती दी है। शिंदे ने दावा किया था कि वह और उनके पति हत्या में शामिल नहीं थे। शिवसेना (उबाठा) के मानपाडा वार्ड प्रमुख प्रदीप पूर्णेकर की 29 सितंबर को उनके कार्यालय में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हत्या के 50वें दिन, राम पूर्णेकर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शिंदे दंपति को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर मीनाक्षी शिंदे और उनके पति राजेंद्र शिंदे का यह कहना है कि हत्या में उनका कोई हाथ नहीं है, तो उन्हें खुद आगे आकर नार्को जांच करवाना चाहिए।

प्रदीप पूर्णेकर के बेटे ने आरोप लगाया कि इस अपराध के षड्यंत्रकारी यही दंपति हैं, और दावा किया कि उनके पास इस बात के सबूत भी मौजूद हैं। पूर्णेकर ने कहा कि उन्हें खुद को साबित करने के लिए नार्को जांच से गुजरना चाहिए, ताकि सच्चाई साफ तौर पर सामने आ सके। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पहले ही वीडियो के रूप में सबूत विशेष जांच टीम (एसआईटी) को सौंप दिए थे, लेकिन उनका दावा है कि एसआईटी ने उन सबूतों पर कोई कार्रवाई नहीं की है।

जांच पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि अगर वह कोई नया ऑडियो सौंपते भी हैं, तो वह एसआईटी से किसी तरह की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? मीनाक्षी शिंदे ने पहले आरोप लगाया था कि विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बदनाम करने और हत्या के मामले की जांच को भटकाने की साजिश रची थी। इस बीच, हत्या की जांच में एक अड़चन आ गई है। पूर्णेकर परिवार ने मुंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और जांच किसी दूसरी एजेंसी को सौंपने की मांग की है।

पवई तालाब पर बनेगा देश का सबसे भव्य म्यूजिकल फाउंटेन, जीवंत होगी मराठों की शौर्यगाथा : मंगल प्रभात लोढ़ा

मुंबई। मुंबई के पर्यटन वैभव में एक और नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। पवई तालाब की सुंदरता में चार चांद लगाने वाला अत्याधुनिक म्यूजिकल फाउंटेन और लाइट एंड साउंड शो जल्द ही पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा। लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा 180 मीटर लंबा यह म्यूजिकल फाउंटेन देश के सबसे बड़े फाउंटेन में से एक होगा। विशेष बात यह है कि इस शो के माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठों के शौर्य एवं पराक्रम की गौरवगाथा को अत्याधुनिक तकनीक की मदद से भव्य और अद्भुत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इससे मुंबई में एक नया पर्यटन स्थल विकसित होगा। पवई तालाब स्थित गणेश घाट पर 'लाइट, साउंड और म्यूजिकल फाउंटेन शो' का उद्घाटन समारोह रविवार शाम 7 बजे आयोजित किया गया है। कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के हाथों इस म्यूजिकल फाउंटेन का उद्घाटन होगा। मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के विशेष प्रयासों से इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए मुंबई उपनगर जिला नियोजन एवं विकास समिति के माध्यम से निधि उपलब्ध कराई गई। म्हाडा के माध्यम से इस परियोजना का निर्माण किया गया है। मुंबई के पर्यटन विकास को गति देने की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

इस परियोजना के अंतर्गत विश्वस्तरीय मल्टीमीडिया लाइट एंड साउंड शो तैयार किया जा रहा है। इसमें म्यूजिकल फाउंटेन, वॉटर स्क्रीन और फायर जेट्स शामिल हैं। विशेष दृश्य प्रभावों (स्पेशल इफेक्ट्स) के माध्यम से तीन



अलग-अलग फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें मराठों का गौरवशाली इतिहास और पराक्रम, महाराष्ट्र की संस्कृति एवं वैभव तथा मुंबई की गौरवशाली कहानी को दर्शाया जाएगा। इस म्यूजिकल फाउंटेन से तालाब के पानी में एरेशन की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा। इसके तहत प्रतिदिन लगभग 30 लाख लीटर पानी में हवा मिलाने की प्रक्रिया होगी, जिससे पानी में घुलित ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा आसपास के तापमान में कमी, वाष्पीकरण के कारण ठंडक और वायु गुणवत्ता में सुधार जैसे संभावित पर्यावरणीय लाभ भी अपेक्षित हैं।

इस फाउंटेन में अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल किया गया है और पूरी प्रणाली को डिजिटल तरीके से प्रोग्राम किया गया है। लगभग 40 मीटर (130 फीट) की ऊंचाई तक उछलने वाले वॉटर जेट्स और 27 फायर जेट्स इस शो के प्रमुख आकर्षण होंगे। इसके अलावा रनिंग फाउंटेन चेजर्स, श्रीडी स्विंग नॉजेल्स और फैन जेट्स के माध्यम से पानी की विभिन्न आकर्षक आकृतियां बनाई जाएंगी। संगीत की धुन पर थिरकते पानी के फव्वारे, आग की लपटें और वॉटर स्क्रीन पर प्रोजेक्शन एवं लेजर इमेज का शानदार संगम दर्शकों को एक अविस्मरणीय दृश्य-श्रव्य अनुभव प्रदान करेगा। मुंबई उपनगर जिला नियोजन समिति के पर्यटन स्थल विकास निधि से इस परियोजना को मंजूरी दी गई है। मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी ने म्हाडा को इसकी कार्यान्वयन एजेंसी नियुक्त किया है। इसके अनुसार परियोजना के आवश्यक प्रारूप और लेआउट महानगरपालिका के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जिसके बाद महानगरपालिका से अनापत्ति प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुआ। म्हाडा, महानगरपालिका और ठेकेदार के बीच त्रिपक्षीय समझौता किया गया है। परियोजना के संचालन एवं रखरखाव से संबंधित प्रावधानों को समझौते के अनुसार लागू किया जाएगा, ऐसी जानकारी म्हाडा के विद्युत विभाग की ओर से दी गई। कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का गौरवशाली इतिहास और मराठों का पराक्रम आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा प्रयास है। पवई तालाब की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ मुंबई के पर्यटन विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से यह परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना से मुंबई के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। मुंबई को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और अधिक प्रमुख स्थान दिलाने के लिए हम ऐसे नवाचारपूर्ण उपक्रमों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ अग्रवाल्स आय हॉस्पिटल ने सचिन तेंदुलकर, ग्लेन मैकग्रा और हरभजन सिंह को नए टीवीसी के लिए एक साथ लाया

मुंबई। डॉ अग्रवाल्स आय हॉस्पिटल ने अपना नया टेलीविजन विज्ञापन लॉन्च किया है, जिसमें उनके ब्रांड एम्बेसडर सचिन तेंदुलकर के साथ पूर्व क्रिकेटर ग्लेन मैकग्री और हरभजन सिंह नजर आए हैं। फिल्म में तेंदुलकर और मैकग्री के बीच की प्रसिद्ध ऑन-स्क्रीन बातचीत को दिखाया गया है, और हरभजन इसमें शामिल होकर एक प्रैंक सेटअप करते हैं। यह मजाक एक अनपेक्षित मोड़ लेता है, जिसमें मैकग्री की तेंदुलकर की प्रशंसा का पता चलता है। कहानी इस बात पर भी ध्यान खींचती है कि नजर में बदलाव पर लोग आमतौर पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं जब वे नेत्र जांच टालना या संकेतों को नजरअंदाज करते है। हास्य के जरिए, फिल्म दर्शकों को अपनी दृष्टि में बदलाव को गंभीरता से लेने और जरूरत पड़ने पर नेत्र परीक्षा कराने के लिए प्रोत्साहित करती है। प्रोफ.डॉ.अमर अग्रवाल, डॉ अग्रवाल्स आय हॉस्पिटल के चेयरमैन, ने कहा, यह फिल्म ह्यूमर का इस्तेमाल करती है एक संदेश साझा करने के लिए जो हम अपने मरीजों को हर दिन देते हैं कि जब आपकी दृष्टि में बदलाव हो तो आंखों की जांच में देरी न करें। यह अनुभव को रिलेटेबल बनाता है और लोगों को अपनी आंखों के स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करता है। डॉ अगरवाल्स आय हॉस्पिटल के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर आयुष्मान चिरानेवाला ने कहाः दो दशकों से अधिक समय से, भारत ने सचिन पर भरोसा किया है कि वह गेंद को जल्दी पढ़ेंगे और सही फैसला करेंगे। मरीज भी यही भरोसा चाहते हैं जब वे यह तय करते हैं कि उनकी आंखों की देखभाल कौन करेगा।

महाराष्ट्र में करूर वैश्य बैंक की उपस्थिति हुई मजबूत

मुंबई। करूर वैश्य बैंक, भारत के एक प्रमुख निजी क्षेत्र बैंक, ने आज महाराष्ट्र के कल्याण में अपनी नई शाखा का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, देश भर में बैंक की शाखाओं की संख्या बढ़कर 930 हो गई है, जिससे प्रमुख बाजारों में इसकी उपस्थिति और मजबूत हुई है।

इस नई शाखा का उद्घाटन श्री धनंजय थोरात, सहायक आयुक्त, कल्याण डोंबिवली नगर निगम, 2 B वार्ड कार्यालय, कल्याण के शुभ हाथों द्वारा हुआ। इस अवसर पर डॉ. स्मिता पाटिल जोपे, एमडी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट, जुपिटर हॉस्पिटल, डोंबिवली भी मौजूद रहीं और उन्होंने पारंपरिक गायत्री दीप प्रज्वलित किया। यह शाखा बालाजी एक्वा, शॉप नंबर 6, ग्राउंड फ्लोर, खड़कपाड़ा सर्कल, कल्याण (वेस्ट), मुंबई- 421301, महाराष्ट्र में स्थित है। श्री रमेश बाबू,



प्रबंध निदेशक और सीईओ, करूर वैश्य बैंक ने कहा, कल्याण में हमारी नई शाखा के उद्घाटन के साथ ही हमने महाराष्ट्र में अपने पदचिन्हों के विस्तार का सिलसिला जारी रखा है। यह क्षेत्र अपने जीवंत व्यावसायिक पारिस्थितिकी और विविध ग्राहक आधार के कारण महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। हम रणनीतिक रूप से स्थित शाखाओं और मजबूत डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि व्यक्तियों, उद्यमियों और व्यवसायों के लिए अधिक सुलभता, निजीकृत बैंकिंग अनुभव और व्यापक वित्तीय समाधान सुनिश्चित किए जा सकें। बैंक के व्यवसाय में लगातार हो रही वृद्धि के मद्देनजर विस्तार का फैसला लिया गया है। 30 सितंबर, 2026 तक, 1,28,123 करोड़ रुपये की डिपॉजिट और 1,11,589 करोड़ रुपये के एडवांस के साथ करूर वैश्य बैंक का कुल व्यवसाय 2,39,712 करोड़ रुपये का रहा है। बैंक ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में 788 करोड़ रुपये का तिमाही शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वर्ष-दर-वर्ष 37.28% की वृद्धि को दर्शाता है। अपनी शाखाओं के नेटवर्क का विस्तार करके और डिजिटल बैंकिंग में लगातार निवेश के जरिए, करूर वैश्य बैंक ग्राहकों को अधिक सुविधाएं देने, क्षेत्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति मजबूत करने और देश भर के लोगों तथा व्यवसायों की बदलती बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुलाबराव गणाचार्य के स्मारक का आधुनिक तरीके से होगा जीर्णोद्धार

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता संग्राम और मजदूर आंदोलन के महान व्यक्तित्व एवं पूर्व विधायक कॉमरेड गुलाबराव गणाचार्य के स्मारक की मरम्मत और सुंदरीकरण आधुनिक तरीके से किया जाएगा। यह घोषणा नगरसेवक रोहिदास लोखंडे ने गुलाबराव गणाचार्य की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में की।

उन्होंने कहा कि गुलाबराव गणाचार्य का योगदान जनमानस में इतना महत्वपूर्ण रहा है कि उनके स्मरण के बिना मजदूर आंदोलन और स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास अधूरा है। उन्होंने मिल मजदूरों के न्याय और अधिकारों के लिए संघर्ष किया और उनके हक की लड़ाई को आगे बढ़ाया। उनका यह स्मारक उनकी यादों को संजोकर रखने के



साथ-साथ युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। गणाचार्य ने मिल मजदूरों के लिए अनेक आंदोलन किए थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ के महासचिव गोविंदराव मोहिते ने कहा कि आज घरों की उपलब्धता के माध्यम से मिल मजदूर मुंबई में टिके हुए हैं। इसके लिए राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ की ओर से अनेक आंदोलन किए गए हैं। भविष्य में भी मजदूरों के न्याय, अधिकारों और आवास के लिए संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में मजदूर नेता अनिल गणाचार्य ने कॉमरेड गुलाबराव गणाचार्य से जुड़ी स्वतंत्रता आंदोलन की यादें साझा कीं। इस अवसर पर पत्रकार नचिकेत पानसरे, राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ के निवृत्ति देसाई, अन्ना शिरसेकर, सुनील बोरकर, नागपाड़ा यातायात विभाग के पुलिस निरीक्षक संतोष पाटील, बेस्ट एवं मिल मजदूर, मुंबई महिला फेडरेशन की अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा प्रकाश रेड्डी, कम्युनिस्ट कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन ने डीएम उमेश मिश्रा को पुष्पगुच्छ एवं श्रीफल देकर किया सम्मानित

राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी राम केवट ने की शिष्टाचार भेंट, त्वरित न्याय एवं कार्यशैली की सराहना



मुंबई(उत्तरशक्ति)। केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन (एनजीओ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी राम केवट ने जौनपुर स्थित जिला अधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी (डीएम) उमेश मिश्रा से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने पुष्पगुच्छ एवं श्रीफल भेंटकर जिलाधिकारी का सम्मान किया। इस दौरान तुलसी राम केवट ने जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में पहली बार ऐसे जिलाधिकारी को देखा है, जो जनसमस्याओं को गंभीरता से सुनते हैं और संबंधित मामलों में तत्काल आदेश देकर समाधान की दिशा में कार्रवाई करते हैं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी की इस कार्यप्रणाली से आम नागरिकों को समय पर न्याय मिलने की उम्मीद मजबूत होती है। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी राहुल बिंद, उत्तर प्रदेश के जिला उपाध्यक्ष अमर बहादुर पटेल तथा उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश चन्द्र बिंद उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर उनका सम्मान किया तथा जनहित से जुड़े कार्यों के प्रति अपनी सराहना व्यक्त की।

बेंगलुरु में 40 से अधिक देशों के 30,000 से ज्यादा आगंतुकों के शामिल होने की संभावना

मुंबई। बेंगलुरु में जुटेगा वैश्विक शिक्षा एवं कौशल विकास जगत, DIDAC India 2026 एग्ज़िबिशन 25 से 27 नवंबर तक बेंगलुरु आयोजन किया जा रहा है। एग्ज़िबिशन में 40 से अधिक देशों के 30,000 से ज्यादा आगंतुक होंगे शामिल भारत शिक्षा और कार्यबल के रूपांतरण के क्षेत्र में तेजी से वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। देश में 25 करोड़ से अधिक स्कूली विद्यार्थी, 4 करोड़ उच्च शिक्षा के विद्यार्थी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत हो रहे व्यापक सुधार इस बदलाव को नई गति दे रहे हैं। इस प्रगति की सबसे स्पष्ट झलक कर्नाटक में देखने को मिलती है, जिसने देश के प्रमुख शिक्षा एवं नवाचार केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है।

नवीनतम अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE) के अनुसार, राज्य की राजधानी बेंगलुरु 1,148 कॉलेजों के साथ देश के सभी जिलों में पहले स्थान पर है। राज्य भविष्य की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहां भारत का पहला सरकार-संचालित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विश्वविद्यालय शुरू होने



जा रहा है। इसके साथ ही अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए एआई हब भी स्थापित किया जाएगा। यह एग्ज़िबिशन 25 से 27 नवंबर 2026 तक सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक बेंगलुरु इंटरनेशनल एग्ज़िबिशन सेंटर (BIEC), बेंगलुरु में होगी।

तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में दुनियाभर के 500 से अधिक प्रदर्शक शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उभरती प्रौद्योगिकियों, शिक्षण संबंधी बुनियादी ढांचे और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास के क्षेत्र में अपने नवीनतम समाधानों एवं नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। इससे DIDAC India नवीनतम प्रगति को जानने, नए अवसरों की पहचान करने और सहयोग एवं साझेदारियों को बढ़ावा देने का प्रमुख मंच बनेगा। India Didactics AssociationIZY सीईओ आदित्य गुप्ता ने कहा, भारत के भविष्य और विकास की दिशा केवल इस बात से तय नहीं होगी कि हम कितना ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि इससे भी तय होगी कि हम किस तरह के कौशल और क्षमताओं का निर्माण करते हैं। शिक्षा, प्रौद्योगिकी और उद्योग जगत के बीच बढ़ते तालमेल के साथ भारत के पास शिक्षा, नवाचार और कुशल प्रतिभाओं के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनने का एक बड़ा अवसर है।

डोंबिवली वेस्ट के गरीबाचा वाडा में छिपकर रहे थे 7 बांग्लादेशी लड़के, घाटकोपर पुलिस ने पकड़ा, डिपोर्ट होंगे

मुंबई। गैर-कानूनी इमिग्रेशन के खिलाफ मुंबई पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। मुंबई पुलिस की एंटी-टेररिज्म सेल ने घाटकोपर पुलिस के साथ मिलकर सात बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि वे पिछले 10 महीनों से बिना किसी वैलिड डॉक्यूमेंट या ऑफिशियल परमिशन के भारत में रह रहे थे। शुरूआती जांच के मुताबिक, आरोपी ठाणे जिले के डोंबिवली (वेस्ट) के गरीबाचा वाडा इलाके में रह रहे थे। घाटकोपर पुलिस स्टेशन की ATC टीम को कुछ लोगों की संदिग्ध मूवमेंट के बारे में एक इंटेलिजेंस इनपुट मिलने के बाद उनके कथित गैर-कानूनी रहने का पता चला।

जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस सब-इंस्पेक्टर योगेश पाटिल की लीडरशिप में एक पुलिस टीम ने घाटकोपर (वेस्ट) में, खासकर जागृति नगर, संत तुकाराम ब्रिज और दिशा हॉस्पिटल के सामने वाले



इलाके में पेट्रोलिंग तेज कर दी।

ऑपरेशन के दौरान, पुलिस ने सात लोगों को संदिग्ध हरकत करते हुए देखा और उन्हें पूछताछ के लिए रोका। बाद में की गई तलाशी में कथित तौर पर बांग्लादेशी बर्थ सर्टिफिकेट, नेशनल आइडेंटिटी कार्ड और बांग्लादेशी कॉन्टैक्ट नंबर वाले मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुसने और बिना जरूरी सरकारी इजाजत के रहने की बात मानी। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मोहम्मद बदरुज्जमां नजरुल इस्लाम मोडल (35), सोहाग अब्दुल हन्नान राणा (30), मोनिर कालू फकीर (30), बिप्लब मोहम्मद जहांगीर बबलू हुसैन (20), नईम मिजानुर रहमान शेख (22), साजिद मोहम्मद शाहजहां हवलदार (37) और रकीब मोहम्मद अबू नासर हुसैन (22) के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि ये सभी सात बांग्लादेशी नागरिक हैं।

पुलिस ने बताया कि ये सातों बांग्लादेशी ठाणे जिले के डोंबिवली पश्चिम में 'गरीबाचा वाडा' में रह रहे हैं, जबकि इनका मूल स्थान बांग्लादेश है।



उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ट्रांसफार्मर के करंट की चपेट में आने से 31 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

हादसे के बाद परिजनों में मचा कोहराम, पुलिस ने शव कब्जे में लेकर शुरू की कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर थाना क्षेत्र के मारुफपुर गांव में बिजली के करंट की चपेट में आने से 31 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। युवक की अचानक हुई मौत से परिजनों और ग्रामीणों में गहरा दुख व्याप्त है।



प्राप्त जानकारी के अनुसार, मारुफपुर गांव में 31 वर्षीय युवक ट्रांसफार्मर के संपर्क में आने से बिजली के करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी हालत गंभीर हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हादसे में युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोग बदहवास हो गए। घर में चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। युवक की असमय मौत से गांव के लोग भी स्तब्ध हैं।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर बिजली के ट्रांसफार्मरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और सावधानी बरतने की आवश्यकता को उजागर किया है।

नाई की दुकान पर किशोर के गले पर चाकू लगाया

राजा बाजार में हमले और धमकी का आरोप, पिता की शिकायत पर केस दर्ज

दिलशाद अहमद सानू

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज थाना क्षेत्र के राजाबाजार में नाई की दुकान पर बाल कटवा रहे 16 वर्षीय किशोर के गले पर चाकू लगाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस ने किशोर के पिता की शिकायत पर एक युवक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है। कटरा गांव के अजय कुमार कौशल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा मयंक कौशल राजा बाजार की एक नाई की दुकान पर बाल कटवा रहा था। इसी दौरान राजा बाजार का रवि सैनी उर्फ राहुल माली वहां पहुंचा और उससे घर के बारे में पूछा।

शिकायत के मुताबिक, मयंक के पहचान बताने पर आरोपी ने दुकान से चाकू उठाकर उसके गले पर लगा दिया। उसने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। दुकानदार के बीच-बचाव करने पर किशोर वहां से बच सका। घर पहुंचकर मयंक ने अपनी मां को घटना की जानकारी दी। पिता ने बताया कि घटना का सीसीटीवी फुटेज मौजूद है। उन्होंने बेटे की सुरक्षा और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 352 और 351(3) के तहत केस दर्ज किया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक शेषनाथ सिंह कर रहे हैं।

उपकरण पाकर खिले दिव्यांग बच्चों के चेहरे

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड बक्शा के बीआरसी परिसर में दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण वितरण कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर के निर्देशन में, एलिम्को कानपुर के सहयोग से और जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय की देखरेख में हुआ।



मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र अनिल कुमार गुप्ता ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला समन्वयक शशिधर उपाध्याय ने उपकरणों की उपयोगिता बताते हुए कहा कि यह उपकरण उन बच्चों को दिए जा रहे हैं जो शिक्षण कार्य कर रहे हैं, ताकि उनकी पढ़ाई में कोई बाधा न आए। वे आसानी से विद्यालय तक पहुंच सकें और शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

कार्यक्रम में डॉ. पीडी तिवारी, एलिम्को कानपुर से आए कर्मचारी, विशेष शिक्षक प्रमोद कुमार माली, अरुणा सिंह, अभिलाषा श्रीवास्तव, सचिन गुप्ता, लल्लन पाण्डेय, रामजीत मौर्य, रुचि, दुष्यंत सिंह, संतोष मिश्रा, विजय सिंह, दीपक कुमार, अभिषेक, विनोद यादव, किरण, शिखा, श्रद्धा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रोजगार मेला का आयोजन 23 नवम्बर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में युवाओं को उनकी शैक्षिक योग्यता, तकनीकी दक्षता, कौशल एवं अभिरुचि के अनुसार रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद के सभी 09 विधानसभा क्षेत्रों में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया की इसी क्रम में सदर विधानसभा क्षेत्र में 23 नवम्बर 2026 को प्रातः 10:00 बजे राजकीय आई0टी0आई0 सिद्दीकपुर परिसर में रोजगार मेले का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के तत्वाधान में किया जायेंगा। इस रोजगार मेलें के माध्यम से जनपद के बेरोजगार युवाओं को प्रतिष्ठित कम्पनियों में रोजगार प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध कराया जायेंगा। मेले में देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों एवं नियोजकों सहित 25 से अधिक कंपनियां प्रतिभाग करेगी। इसमें प्रमुख रूप में टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, हिंडाल्को, अशोक लीलैंड, बजाज ऑटोमोबाइल, सुब्रोस, एमआरएफ टायर, क्रेस कॉर्प, डिक्सन टेक्नोलॉजी, एक्सिस बैंक, पेटीएम, एयरटेल, वोडाफोन, याजाकी इंडिया, हेल्थ केयर, फामेर्सी, नर्सिंग की कंपनियां अपनी 1000 से अधिक रिक्तियों के साथ प्रतिभाग कर विभिन्न पदों पर चयन करेगी।

गृह मंत्री अमित शाह से सपत्नीक मिले विधायक रमेश चंद्र मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने कल अपनी धर्मपत्नी तथा सोईथा कला की पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्रीमती संजू मिश्रा के साथ नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंनेअमित शाह को पश्चिम बंगाल के ऐतिहासिक विजय की प्रतीकात्मक तस्वीर देकर उनका सम्मान किया। दोनों नेताओं के बीच काफी देर विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। पत्रकारों से बात करते हुए रमेश चंद्र ने कहा कि भारतीय राजनीति के कुशल रणनीतिकार अमित शाह जी से मिलकर उनका आशीर्वाद एवं अमूल्य मार्गदर्शन लिया। उनके कुशल नेतृत्व, अद्वितीय संघटनात्मक क्षमता, दूरदर्शी सोच एवं राष्ट्र के प्रति उनका अटूट समर्पण हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि उनके मार्गदर्शन से नई ऊर्जा उत्साह एवं जन सेवा के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आशीर्वाद और मार्गदर्शन के लिए अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया।



जौनपुर नगर में जाम का झाम

कोतवाली-चहारसू मार्ग पर घंटों फंसे रहते हैं राहगीर, यातायात व्यवस्था पर उठे सवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के कोतवालीझचहारसू मार्ग पर आए दिन घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। शनिवार की सुबह करीब 10 बजे भी इस मार्ग पर आधे घंटे से अधिक समय तक भीषण जाम लगा रहा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

हैरानी की बात यह है कि यह मार्ग कोतवाली थाने से महज 100 से 200 कदम की दूरी पर स्थित है, इसके बावजूद यातायात व्यवस्था सुचारु नहीं हो पा रही है। स्थानीय लोगों में यातायात पुलिस और ड्यूटी पर तैनात होमगार्डों की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि यातायात नियंत्रण में लापरवाही के चलते आए दिन ऐसी स्थिति पैदा होती है।

आखिर पुलिस थाने के इतने करीब यदि घंटों जाम लगा रहता है तो शहर के अन्य इलाकों की यातायात व्यवस्था का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। स्थानीय लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि कोतवालीझचहारसू मार्ग पर नियमित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कर जाम की समस्या से निजात दिलाई जाए।

किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

पिता की शिकायत पर युवक के खिलाफ केस दर्ज, तलाश में जुटी पुलिस

दिलशाद अहमद सानू

महराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप है। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने गांव के एक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पिता ने तहरीर में आरोप लगाया कि गांव का युवक उनकी बेटी को अपने साथ ले गया। किशोरी कक्षा 9 की छात्रा है। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन जानकारी नहीं मिलने पर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 0309/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 और 137 (2) में केस दर्ज किया है।मामले की जांच उपनिरीक्षक शमशेर यादव को सौंपी गई है।

सीएम योगी की मां सावित्री देवी पंचतत्व में विलीन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का हरिद्वार के चंडी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इसके साथ ही वह पंचतत्व में विलीन हो गईं। उनके छोटे बेटे ने मुखाग्नि दी।



अंतिम संस्कार के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित परिवार के सदस्य, कई नेता और साधु-संत मौजूद रहे। मां को अंतिम विदाई देते समय सीएम योगी भावुक नजर आए।

मछलीशहर में अनियंत्रित टेलर का कहर, कई दुकानों को तोड़ते हुए तालाब में गिरा

अरशद अली

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर क्षेत्र के बादशाहपुर चौराहे पर देर रात एक तेज रफ्तार अनियंत्रित टेलर ने जमकर तबाही मचाई। टेलर सड़क किनारे स्थित कई दुकानों को क्षतिग्रस्त करते हुए सीधे तालाब में जा गिरा। अचानक हुए इस हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 1:30 बजे की है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार टेलर अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया और चौराहे पर स्थित दुकानों में जा

बादशाहपुर चौराहे पर रात 1:30 बजे हुआ हादसा, दुकानों को भारी नुकसान की आशंका, बाल-बाल बचे लोग

घुसा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकानों को काफी नुकसान पहुंचा। इसके बाद टेलर सड़क किनारे स्थित तालाब में जा गिरा। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल का नजारा देखकर लोग दंग रह गए। गनीमत रही कि हादसा देर रात हुआ और उस समय दुकानों के आसपास लोगों की मौजूदगी नहीं थी। इसके चलते किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

हालांकि इस घटना में दुकानदारों को आर्थिक नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। देर रात हुए इस हादसे के बाद बादशाहपुर चौराहे पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

कबड्डी में दमदार प्रदर्शन कर पूर्वांचल विश्वविद्यालय बना चैंपियन

तीनों मुकाबले जीतकर हासिल किया पहला स्थान, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मिलेगी सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता: खेल मंत्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित चार दिवसीय पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालयीय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में मेजबान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टीम ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर छह अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने एलएमएम विश्वविद्यालय दरभंगा को 23-21, एमएसडी विश्वविद्यालय आजमगढ़ को 34-25 तथा केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर को 30-23 अंकों से पराजित किया। प्रतियोगिता में केआईआईटी विश्वविद्यालय दूसरे, एलएमएम विश्वविद्यालय तीसरे और एमएसडी विश्वविद्यालय चौथे स्थान पर रहा।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता के साथ सरकारी नौकरी के अवसर भी उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर



विकासखंड में खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय से खिलाड़ियों को ओलंपिक और पैरा ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने तथा नशामुक्ति अभियान को बढ़ावा देने की अपील की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय की जीत केवल प्रतियोगिता की जीत नहीं, बल्कि खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के माध्यम से विश्वविद्यालय और जनपद का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया।

विशेष अतिथि अवकाश प्राप्त भारतीय वायुसेना कमांडर राजेश कुमार सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में खेल परिषद अध्यक्ष प्रो. सुधाकर सिंह ने स्वागत भाषण दिया तथा खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह ने प्रतियोगिता का विवरण प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. राजेश सिंह ने किया और छात्र अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी विनोद कुमार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं खेल परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट के जज अरविन्द कुमार ने सपरिवार मां विशालाक्षी के दरबार में टेका मत्था

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविन्द कुमार ने शनिवार सुबह सपरिवार 51 शक्तिपीठों में शामिल मीरघाट स्थित मां विशालाक्षी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। मंदिर के महंत पं. सुरेश कुमार तिवारी ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन और आरती कराई।इस दौरान न्यायाधीश ने मां के चरणों में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।



पूजन के बाद महंत ने उन्हें अंगवस्त्र, उनकी पत्नी को साड़ी तथा प्रसाद भेंटकर आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात उन्होंने त्रिपुरा भैरवी स्थित मां वाराही देवी मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया।

न्यायाधीश के आगमन को लेकर दशाश्वमेध थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ भोर से ही सुरक्षा व्यवस्था में जुटे रहे। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। न्यायाधीश ने पुलिस की व्यवस्था की सराहना करते हुए आभार जताया।

मसदर सिटी की तर्ज पर भारत में आधुनिक पर्यावरण-अनुकूल शहर विकसित करने की मांग

मोहम्मद अरशद खान ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय स्तर पर विशेष परियोजना शुरू करने की उठाई मांग, सौर ऊर्जा, जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने भारत में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के मसदर सिटी की तर्ज पर आधुनिक, स्मार्ट और पर्यावरण-अनुकूल शहर विकसित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण, प्रदूषण, जल संकट और बिजली की मांग को देखते हुए देश में ऐसे शहरों का निर्माण समय की आवश्यकता है, जहां विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता मिले।

पीडीए भवन, लड्डन कॉलोनी, गोमती नगर, कटघरा से जारी बयान में उन्होंने कहा कि यूएई का मसदर सिटी स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक शहरी नियोजन का एक उदाहरण है। वर्ष 2006 में शुरू हुई इस परियोजना का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना, कार्बन उत्सर्जन कम करना और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना है।



उन्होंने प्रस्तावित भारतीय शहर में सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट जल का शोधन, पर्यावरण-अनुकूल भवन निर्माण और प्रदूषण मुक्त परिवहन व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक बसें, साइकिल ट्रैक, आधुनिक कचरा प्रबंधन, पुनर्चक्रण, बड़े पार्क, शहरी वन और हरित क्षेत्र विकसित करने की आवश्यकता बताई।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि ऐसे शहर में पर्यावरण विज्ञान, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और आधुनिक तकनीक से जुड़े विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र भी स्थापित किए जाने चाहिए। इससे युवाओं को शिक्षा, शोध और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। साथ ही स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी निर्माण और जल शोधन से जुड़े उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि राष्ट्रीय पर्यावरण एवं स्वच्छ ऊर्जा स्मार्ट सिटी परियोजना शुरू करने के लिए विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और शहरी नियोजन से जुड़े लोगों की उच्चस्तरीय समिति गठित की जाए। इस परियोजना को केंद्र और राज्य सरकारों के सहयोग से विकसित किया जाए तथा स्थानीय जलवायु, किसानों और नागरिकों के हितों का ध्यान रखा जाए।

उन्होंने कहा कि वास्तविक विकास वही है जिसमें लोगों को स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के साथ सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध हो। भारत अपनी वैज्ञानिक क्षमता और युवा शक्ति के बल पर ऐसा आधुनिक शहर विकसित कर सकता है, जो पूरी दुनिया के लिए टिकाऊ विकास और पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण बने।

तीन लोगों पर घर में घुसकर धमकी देने का आरोप

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बगौझर गांव में घर में घुसकर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। प्रमोद श्रीवास्तव की शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रमोद ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनके पड़ोसी सुशील श्रीवास्तव, उनकी पत्नी पुष्पा श्रीवास्तव और वैभव घर

महराजगंज के बगौझर में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच उपनिरीक्षक को सौंपी

के पीछे वाले दरवाजे से जबरन अंदर आए। उनके हाथों में लाठी-डंडे थे। आरोप है कि विरोध करने पर तीनों ने प्रमोद की मां से गाली-गलौज की और उनकी फोटो खींचने लगे। इस दौरान मां के साथ धक्का-मुक्की भी की गई। प्रमोद के मुताबिक, विवाद में उनके पिता को भी चोट लगी। दोनों पैरों में चोट के कारण उन्हें बेड रेस्ट करना पड़ रहा है। घटना के दौरान डायल 112 पर फोन कर पुलिस को बुलाया गया।आरोप है कि पुलिस के समझाने के बाद उसके जाने पर भी तीनों ने दोबारा गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।

विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत मेडिकल कालेज जौनपुर में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल के दिशा-निर्देशन में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डा0 दीपिका शाव* द्वारा विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह (18 से 24 नवंबर 2026) के अंतर्गत मेडिकल कालेज जौनपुर में दिनांक 21 नवम्बर, 2026 को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन एवं स्वास्थ्यकर्मियों को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के प्रति जागरूक करना तथा एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश देना है। उन्होंने बताया कि जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस एवं परजीवी जैसे सूक्ष्मजीवों



में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है और दवाएं उन पर प्रभावी नहीं रहतीं, तो इस स्थिति को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस कहा जाता है। एंटीबायोटिक दवाओं का गलत अथवा अनावश्यक उपयोग इस समस्या को बढ़ावा देता है। इसके कारण सामान्य संक्रमणों का उपचार भी कठिन हो सकता है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR) खतरनाक क्यों है?- ◆ सामान्य संक्रमणों का इलाज मुश्किल हो जाता है। ◆ प्रभावी एंटीबायोटिक दवाओं के विकल्प कम हो जाते हैं। ◆ अस्पताल में भर्ती और उपचार की अवधि बढ़ सकती है। ◆ स्वास्थ्य देखभाल का खर्च बढ़ता है। ◆ गंभीर संक्रमणों और मृत्यु का खतरा बढ़ सकता है।

बचाव के लिए क्या करें?- ◆ बिना डाक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक सेवन न करें। ◆ डाक्टर द्वारा बताई गई खुराक और अवधि का पालन करें। ◆ नियमित हाथ धोने से संक्रमण फैलने का खतरा कम होता है। ◆ टीकाकरण करवाएं। ◆ कल्चर और एंटीबायोटिक सेंसिटिविटी टेस्ट को महत्व दें।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 (डा0) ए0ए0 जाफरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि AMR (Antimicrobial Resistance) आज विश्वभर में एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक एवं अनुचित उपयोग इसके प्रमुख कारणों में से एक है।

हमारी जिम्मेदारी है कि एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सकीय आवश्यकता एवं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार करें। सभी विभागाध्यक्ष एवं चिकित्सक अपने-अपने विभागों में एंटीबायोटिक के विवेकपूर्ण उपयोग, कल्चर एवं सेंसिटिविटी जांच तथा संक्रमण नियंत्रण पर विशेष ध्यान दें।

हमें एंटीबायोटिक दवाओं की प्रभावशीलता भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी बनाए रखनी है। । AMR को रोकना सभी चिकित्सा कर्मियों का सामूहिक सहयोग आवश्यक है।

इस अवसर पर डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 चन्द्रभान, डा0 विनोद वर्मा, डा0 हमजा अंसारी, डा0 अनिल कुमार, डा0 प्रियंका सिंह, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 पंकज कुमार, डा0 अन्नपूर्णा, डा0 सौरभ, डा0 जयेश एवं अन्य चिकित्सकगण व कर्मचारी उपस्थित रहें।



ड्रिप कैपिटल ने बिहार सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया



पटना (उत्तरशक्ति)। वैश्विक टेक-इनेबल्ड ट्रेड फाइनेंस प्लेटफॉर्म ड्रिप कैपिटल ने पटना में केंद्र और राज्य सरकार के साझा निवेशक सम्मेलन के मौके पर बिहार सरकार के उद्योग विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अहम साझेदारी के तहत ड्रिप कैपिटल ने बिहार के एमएसएमई निर्यातकों की मदद करने और विदेशी बाजारों तक उनकी पहुंच मजबूत करने के लिए अगले पांच साल में 5,000 करोड़ रुपये तक का ट्रेड फाइनेंस दिलाने का वादा किया है। इस एमओयू पर ड्रिप कैपिटल के संस्थापक और सीईओ पुष्कर मुकेवार ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान बिहार के माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह, विदेश व्यापार महानिदेशक लव अग्रवाल, उद्योग विभाग के सचिव कुंदन कुमार आईएएस और एमएसएमई निदेशक अमन समीर आईएएस और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। ड्रिप कैपिटल के संस्थापक और सीईओ पुष्कर मुकेवार ने कहा कि इस साझेदारी के जरिए हम सही समय पर फंडिंग, बाजार से जुड़ाव और सही संस्थागत मदद जैसी सभी चीजों को एक साथ लाना चाहते हैं, ताकि स्थानीय कारोबार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेहतर मुकाबला कर सकें।

जौनपुर: डीएम ने किया मतदेय स्थलों का निरीक्षण, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने विधानसभा 364 बदलापुर के विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बीएलओ की उपस्थिति, मतदाता सूची एवं प्राप्त हो रहे दावे-आपत्तियों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बीएलओ को निर्देश दिया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं सहित सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराया जाए। मृतक एवं अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने के साथ सूची में दर्ज त्रुटियों को भी दुरुस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इसके लिए फॉर्म-6, 6ए, 7 एवं 8 के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। गौरतलब है कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान 17 नवंबर से 26 दिसंबर 2026 तक चलाया जा रहा है। इसके तहत 21-22 नवंबर एवं 28-29 नवंबर को विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है।

ट्रक की चपेट में आने से लेखपाल गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील जाते समय ट्रक की चपेट में आने से लेखपाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा खेतासराय मुख्य मार्ग पर पुरानी यूनियन बैंक के समीप हुआ। घायल लेखपाल की पहचान रणजीत गौतम (35 वर्ष) के रूप में हुई है। वह खुटहन थाना क्षेत्र के बीरी शमशुद्दीनपुर निवासी बाबूराम के पुत्र हैं और शाहापुर व तारगहना क्षेत्र में लेखपाल के पद पर तैनात हैं। शनिवार को वह घर से तहसील के लिए निकले थे। इसी दौरान ट्रक की चपेट में आकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर जुटे राहगीरों ने उन्हें उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, बुजुर्ग महिला की मौत, तीन गंभीर घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर मौजा पट्टी में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। लाठी-डंडों से हुए हमले में बुजुर्ग महिला हिरावती देवी (72) की मौत हो गई। वहीं चार पहिया वाहन से कुचलने के आरोप में दो सगे भाइयों समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि एक ही खानदान के दो पक्षों के बीच लंबे समय से जमीन का विवाद चल रहा था। गुरुवार को विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडे चलने लगे। इसी दौरान वाहन से कुचलने की घटना भी हुई। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

टीजीटी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 नवंबर तक बढ़ी,

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रशिक्षित स्नातक सहायक अध्यापक (टी.जी.टी.) की वर्तमान ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि को आगे बढ़ा दिया गया है। उच्च न्यायालय में आशुतोष मिश्र व 156 अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य मामले में 20 नवम्बर 2026 को पारित अंतरिम आदेश के अनुपालन तथा आयोग द्वारा लिए गए निर्णय के क्रम में आवेदन की पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 23 नवम्बर 2026 के स्थान पर अब 28 नवम्बर 2026 निर्धारित की गई है। आयोग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने संशोधित समय-सारिणी का विवरण साझा करते हुए बताया कि विज्ञापन संख्या 07/2026 का प्रकाशन 23 अक्टूबर 2026 को किया गया था तथा ऑनलाइन पंजीकरण (ओ.टी.आर.) एवं आवेदन की प्रक्रिया 24 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हुई थी। नए निर्णय के अनुसार अब अभ्यर्थी 28 नवम्बर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा कर सकेंगे। इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन में संशोधन करने की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 30 नवम्बर 2026 कर दी गई है। अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षित स्नातक सहायक अध्यापक (टी.जी.टी.) पद की लिखित परीक्षा अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगामी 23 एवं 24 दिसम्बर 2026 को ही आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी विस्तृत विज्ञापन का सावधानीपूर्वक अध्ययन करते हुए अपनी अर्हतानुसार नवीन निर्धारित अंतिम तिथि 28 नवम्बर 2026 तक अपना आवेदन पूर्ण कर लें। विज्ञापन से संबंधित अन्य समस्त नियम, शर्तें एवं विवरण यथावत रहेंगे।

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड पटना में लगाएगी शिकायत निवारण शिविर

पटना(उत्तरशक्ति)। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण के शिकायत निवारण माह के तहत आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड पॉलिसीधारकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने और उनकी शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न पहल कर रही है। इस देशव्यापी पहल के तहत भारत के 16 शहरों में शिकायत निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें से आठ शिविर जनरल इंश्योरेंस काउंसिल और आठ शिविर लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल के समन्वय से आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने पटना में 23 नवंबर 2026 को शिकायत निवारण शिविर आयोजित करने की जिम्मेदारी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को सौंपी है। यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिहार राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, बहुउद्देशीय भवन, आर-ब्लॉक, अटल पथ के निकट, पटना में आयोजित किया जाएगा। इस शिविर के माध्यम से पॉलिसीधारकों को अपनी लंबित शिकायतों पर चर्चा करने, आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त करने और शिकायतों के समाधान के लिए उपलब्ध विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी हासिल करने का अवसर मिलेगा। इसमें बीमा लोकपाल की व्यवस्था भी शामिल है। इस पहल के जरिए आईसीआईसीआई लोम्बार्ड का उद्देश्य शिकायत निवारण व्यवस्था को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाना है। साथ ही, कंपनी ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और अपने ब्रांड के मूल मंत्र निभाए वादे को और मजबूत करना चाहती है।

इंदौर के फूटी कोठी में सब्जी मंडी हटाने पर हंगामा

-प्रणित नरेंद्र तिवारी



इंदौर(उत्तरशक्ति)। इंदौर के फूटी कोठी क्षेत्र में नगर निगम की सब्जी मंडी हटाने की कार्रवाई के विरोध में ठेले वालों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। कार्रवाई से नाराज ठेले वाले मौके पर एकजुट होकर विरोध जताने लगे। उनके समर्थन में नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट भी पहुंचीं। इस दौरान हंगामे की आशंका को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने फोन पर निगम अधिकारी से बात करते हुए चेतावनी दी कि अगर यहां से सब्जी मंडी हटाई गई तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। कार्रवाई का विरोध करने पहुंचीं नेता प्रतिपक्ष को पुलिस ने मौके से हटाया।दरअसल, नगर निगम की टीम ठेले जब्त करने नहीं, बल्कि सब्जी मंडी हटाने पहुंची थी। इसी कार्रवाई को लेकर विवाद शुरू हुआ और ठेले वालों ने प्रदर्शन किया।ठेले वालों का आरोप है कि नगर निगम की कार्रवाई से उनका रोजगार प्रभावित हो रहा है। वे जब्त ठेले वापस करने और उन्हें कारोबार के लिए उचित जगह उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने भी ठेले वालों की मांगों का समर्थन करते हुए निगम की कार्रवाई का विरोध किया है। फिलहाल फूटी कोठी क्षेत्र में प्रदर्शन जारी है और पुलिस की मौजूदगी में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

बैंक मैनेजर पति की 6 लाख में सुपारी,पत्नी समेत प्रेमी सिपाही और 4 शूटर गिरफ्तार



लखनऊ (उत्तरशक्ति)। सिपाही के प्यार में पागल बैंक मैनेजर की पत्नी ने अपने पति की हत्या के लिए 6 लाख रुपये में सुपारी दे दी। पत्नी ने पति की लोकेशन प्रेमी को शेयर की, जिसके बाद शूटरों ने मैनेजर पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। आरोप है कि बैंक मैनेजर अनुराग शुक्ला की पत्नी आशी मिश्रा का सिपाही नितिन राणा से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी के चलते पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची गई। आरोप के अनुसार, सिपाही नितिन राणा ने मोस्ट वांटेड शूटर हायर किए। पत्नी आशी मिश्रा ने पति की लोकेशन सिपाही को शेयर की। इसके बाद शूटर मौके पर पहुंचे और मैनेजर पर गोलियां चला दीं। बताया जा रहा है कि शुक्ला जी बजरंगबली के परम भक्त थे, इसलिए इतनी गोलियां चलने के बाद भी उनकी जान बच गई। लखनऊ पुलिस ने इस मामले में पत्नी आशी मिश्रा, प्रेमी सिपाही नितिन राणा और शूटर मयंक, शुभम, अंकित और शिवम जाट को गिरफ्तार कर लिया है। सभी को हत्या के प्रयास की धाराओं में जेल भेजा जा रहा है।

जौनपुर: बारात में रथ से कुचलकर दो मजदूरों की मौत,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर मड़ैया गांव में शुक्रवार की रात बारात हादसा हो गया। बारातियों के स्वागत और द्वारचार की रस्म से ठीक पहले अनियंत्रित हुए डीजे रथ ने आगे चल रहे दो मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। रथ के नीचे दबकर दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

उक्त गांव निवासी राम अवध यादव की बेटी की शादी थी। बारात बदलापुर थाना क्षेत्र के देवरिया लेदुका गांव से आई थी। बारातियों के जलपान के बाद रात करीब 10 बजे द्वारचार की तैयारियां चल रही थीं। दूल्हा डीजे रथ पर सवार होकर आगे बढ़ रहा था और उसके आगे मजदूरों की टोली रोड लाइट की छतरी लेकर धीरे-धीरे चल रही थी।बताया गया है कि नौपेड़वा बाजार के उत्तर राष्ट्रीय राजमार्ग से नीचे गांव की ओर उतरते समय डीजे रथ ढलान पर था। इसी दौरान चालक ने कथित रूप से ब्रेक की जगह एक्सीलेटर पर पैर रख दिया। देखते ही देखते रथ की रफ्तार बढ़ गई और चालक उस पर नियंत्रण नहीं रख सका। रथ के आगे चल रहे मजदूरों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। इस हादसे में गोरियापुर गांव निवासी 65 वर्षीय मुसाफिर और 55 वर्षीय शिवाकांत गौतम रथ की चपेट में आकर उसके नीचे दब गए।हादसा इतना अचानक और भयावह था कि मौके पर मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही दोनों मजदूर गंभीर रूप से कुचल चुके थे। शादी की खुशियों में शामिल लोग चीखते-चिल्लाते हुए घटनास्थल की ओर दौड़े। किसी ने रथ को रोकने की कोशिश की तो कोई घायलों को बचाने के लिए आगे आया। इस हादसे में एक छोटे बालक को बचाने के प्रयास के दौरान दूल्हे की आंख के पास भी मामूली चोट आई। घटना के बाद शादी समारोह में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई।

सूरत में सुनील मिश्रा के गणेश बंगलो पर धार्मिक आयोजन के साथ संपन्न हुआ शुभ गृह प्रवेश

सूरत। भवन निमार्ता एवं समाजसेवी बड़े भाई सुनील मिश्रा के सूरत स्थित डिंडोली क्षेत्र में नवनिर्मित ह्यगणेश बंगलोह्न के शुभ गृह प्रवेश के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन किया गया।

इस मंगलमय अवसर पर श्री सत्यनारायण भगवान की महापूजा, सुंदरकांड पाठ तथा संध्या में भजन-कीर्तन का भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता की। धार्मिक कार्यक्रमों के समापन के पश्चात विशाल महाप्रसाद भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं, समाजजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने पहुंचकर



महाप्रसाद ग्रहण किया और पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर सुनील मिश्रा के बड़े भाई केसरी मिश्रा, माता जी और प्रीति मिश्रा, पत्रकार आदेश मिश्र, पवन मिश्रा, मुकेश मिश्रा, अमित मिश्रा, प्रिंस मिश्रा सहित नाते-रिश्तेदार एवं परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। यह भव्य आयोजन पारिवारिक एकता, आपसी प्रेम,भारतीय संस्कारों एवं सनातन संस्कृति के प्रति अटूट श्रद्धा और आस्था का अनुपम उदाहरण बना। अंत में सभी उपस्थितजनों ने श्री सत्यनारायण भगवान से प्रार्थना की कि उनकी असीम कृपा समस्त मिश्रा परिवार पर सदैव बनी रहे तथा नवनिर्मित गणेश बंगलो में सुख, शांति, समृद्धि, खुशहाली एवं सकारात्मक ऊर्जा का सदैव वास हो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की श्रीपति उपाध्याय के सामाजिक कार्यों की सराहना



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जौनपुर जनपद के बक्शा विकासखंड अंतर्गत सुजियामऊ गांव निवासी पूर्व ग्राम प्रमुख श्रीपति उपाध्याय को पत्र भेजकर उनके सामाजिक कार्यों और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की है। मुख्यमंत्री की ओर से 2 अक्टूबर 2026 को जारी इस पत्र में उन्होंने श्रीपति उपाध्याय के प्रयासों को समाज और सरकार के बीच महत्वपूर्ण सेतु बताया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि सामाजिक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। वे समाज की समस्याओं को समझकर उनकी आवाज उचित मंच तक पहुंचाते हैं। जरूरतमंदों के जीवन में बदलाव लाने के साथ समाज को अधिक संवेदनशील और सशक्त बनाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

पत्र में मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने कानून के राज को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अपराधियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई और सुशासन के माध्यम से प्रदेश में बेहतर वातावरण बनाने का प्रयास किया गया है।उन्होंने उज्ज्वला, आवास, शौचालय सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में सामाजिक कार्यकताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सबका साथ, सबका विकास के संकल्प को आगे बढ़ाने में जनभागीदारी पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि श्रीपति उपाध्याय की सेवा भावना, संवेदनशीलता और जनसरोकार प्रदेश के विकास की यात्रा को और मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री का पत्र मिलने पर क्षेत्र में इसकी चर्चा हो रही है। इसे जनसेवा के कार्यों के प्रति प्रोत्साहन और सम्मान के रूप में देखा जा रहा है।

शाहगंज के बुढ़वा बाबा राम-जानकी मंदिर में जागरण, संकीर्तन और लेजर लाइट शो; 11 हजार दीपक जलाए



शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति) । बुढ़वा बाबा राम-जानकी मंदिर में श्री श्याम परिवार ने खाटू श्याम बाबा का जन्मदिन मनाया। इस मौके पर जागरण, संकीर्तन और लेजर लाइट शो हुआ। मंदिर परिसर में 11 हजार दीपक जलाकर देव दीपावली मनाई गई। श्री श्याम परिवार के सदस्यों ने बाबा का श्रृंगार किया। फूलों की वर्षा, छप्पन भोग और महाआरती भी हुई। वाराणसी के पंडितों ने गंगा आरती की। जागरण में भजन गायकों ने बाबा के भजन गाए। लेजर लाइट शो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। मंदिर को सजाया गया और बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्री श्याम परिवार ने भक्तों, कार्यक्रम में सहयोग करने वाले नागरिकों, नगर पालिका प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों, पुलिस प्रशासन, विद्युत विभाग और अन्य सहयोगियों का आभार जताया।

जौनपुर: दावे-आपत्तियों के समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य जनपद में 17 नवम्बर, से प्रारंभ होकर 26 दिसम्बर, तक संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत निर्धारित विशेष तिथियों 21 एवं 22 नवम्बर तथा 28 एवं 29 नवम्बर, को विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इन तिथियों पर सभी बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) अपने-अपने मतदेय स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची के साथ उपस्थित रहकर पात्र नागरिकों से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त कर रहे हैं। विशेष अभियान के तहत आज जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के क्रम में विशेष अभियान का विधान सभा 364 बदलापुर के अन्तर्गत मतदेय स्थल संख्या-154, सरोखनपुर श्री कृष्णा नगर जू०हा० कक्ष संख्या-1 व 155, सरोखनपुर श्री कृष्णा नगर जू०हा० कक्ष संख्या-2 व 156, सरोखनपुर श्री कृष्णा नगर जू०हा० कक्ष संख्या-3 व 157, सरोखनपुर श्री कृष्णा नगर जू०हा० कक्ष संख्या-4 व 158, सरोखनपुर श्री कृष्णा नगर जू०हा० कक्ष संख्या-5 व 159, सरोखनपुर श्री कृष्णा नगर जू०हा० कक्ष संख्या-6 व 160, सरोखनपुर श्री कृष्णा नगर जू०हा० कक्ष संख्या-7 व 161, प्रा०वि० सरोखनपुर प्रथम व 162, प्रा०वि० सरोखनपुर द्वितीय कक्ष संख्या-1 व 142, प्रा०वि० भलुआहीं कक्ष संख्या-1 व 143, प्रा०वि० भलुआहीं कक्ष संख्या-2 व 144, प्रा०वि० भलुआहीं कक्ष संख्या-3 व 145, प्रा०वि० भलुआहीं कक्ष संख्या-4 व 137, प्रा०वि० पुरानी बाजार कक्ष संख्या-1 व 138, प्रा०वि० पुरानी बाजार कक्ष संख्या-2 व 139, प्रा०वि० पुरानी बाजार कक्ष संख्या-3 बूथों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बूथ लेबल अधिकारियों को नये मतदाता को जोड़ने, मृतक हो चुके मतदाताओं को अपमार्जित करने व मतदाता सूची में परिलक्षित हो रही सभी त्रुटियों को दूर करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि बीएलओ बूथ पर आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करें तथा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, संशोधन कराने अथवा नाम हटवाने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि निर्वाचक नामावली शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाई जा सके।

मुंबई में तीन बार द्वारा नियमों के उल्लंघन के बारे में स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट में शिकायत

मुंबई। मुंबई के सबअर्बन इलाके में स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट के अधिकार क्षेत्र में आने वाले बार और रेस्टोरेंट में कथित उल्लंघन के मामले अब गंभीर रूप ले चुके हैं। आरटीआई एक्टिविस्ट मनोहर प्रताप जरियाल ने झरना (बोर्ड पर सुनहरी फली) लवली और लोटस बार और रेस्टोरेंट के खिलाफ स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने लक्षदीप बार में कथित उल्लंघन में क्यु डिवीजन के इंस्पेक्टर- इन- चार्ज आर. आर. वाघ की भूमिका की भी जांच की मांग की है। जरियाल की शिकायत के मुताबिक, जुहू में झरना बार एंड रेस्टोरेंट (ऋछ-ककककलाइसेंस नंबर 646) में, परमिट रूम और रेस्टोरेंट के बीच की दीवार को अप्रूव्ड प्लान के हिसाब से हटा दिया गया है और दोनों जगहों को मिलाकर रेस्टोरेंट में शराब बेचने और पीने के लिए बार काउंटर बना दिया गया है। यह भी आरोप लगाया गया है कि महिला कर्मचारियों की नियुक्ति की शर्तों का उल्लंघन करते हुए, उनसे सुबह 3 से 5 बजे तक काम करवाया जा रहा है और उनसे डांस करवाया जा रहा है। इस मामले में, बांद्रा के क्यु डिवीजन के इंस्पेक्टर के पास शिकायत दर्ज कराई गई है और बार का लाइसेंस सस्पेंड या कैंसल करने की मांग की गई है। इस बीच, लक्षदीप रेस्टोरेंट एंड बार (ऋछ-ककक लाइसेंस नंबर 646) में नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में, जरियाल ने आरोप लगाया है कि क्यु डिवीजन के इंचार्ज इंस्पेक्टर आर. आर. वाघ ने कार्रवाई से बचने के लिए सीनियर अधिकारियों को गुमराह किया है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में इंस्पेक्टर वाघ से जांच कर सही कार्रवाई की जाए और किसी काबिल अधिकारी के जरिए लक्षदीप बार के खिलाफ कार्रवाई की जाए। दिलचस्प बात यह है कि इन सभी बार के बारे में शिकायतें राज्य सरकार के स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट सेक्रेटरी को भी दी गई हैं। 2026 के मानसून सेशन के दौरान मुंबई में ऑर्केस्ट्रा बार के बारे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान के बाद, अब ध्यान इस बात पर है कि क्या संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच करके दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



